राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण गुरुवार,01 दिसंबर 2022 वर्ष–5,अंक–304 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गुजरात चुनाव: खड़गे ने मोदी को रावण कहकर अपनी ही पार्टी को मुसीबत में डाल दिया

नई दिल्ली। गुजरात चुनाव हो या कोई और, कांग्रेस का कोई न कोई नेता भारतीय जनता पार्टी या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कोई न कोई मुद्दा दे ही देता है। पहले मणिशंकर अय्यर थे, अब मल्लिकार्जुन खड़गे हैं। दरअसल, खड़गे जी ने सोमवार को मोदी को रावण कह दिया। भाजपा वाले इस मुद्दे को ले उड़े। उन्होंने हंगामा खड़ा कर दिया। खड़गे को बहाना बनाकर उन्होंने सोनिया गांधी और राहुल गांधी पर भी बयानों का हमला बोल दिया।

यही नहीं, मोदी को रावण कहकर कांग्रेस और उसके अध्यक्ष ने इस देश और गुजरात की जनता का भी अपमान किया है, बात यहाँ तक पहुँच गई। हालाँकि, मंगलवार को गुजरात की 89 सीटों के लिए चुनाव प्रचार बंद हो चुका है। ज़्यादा वक्त भाजपा वालों को मिला नहीं, वर्ना कांग्रेस की कितनी सीटों पर यह बयान असर करता, इसका आप

अंदाज़ा भी नहीं लगा सकते। जाने क्यों खड़गे साहब को यह पता ही नहीं चला कि वे मोदी के खिलाफ बोल रहे हैं या अपनी ही पार्टी के विरोध में!

बहरहाल, गुजरात में आधे से ज़्यादा सीटों पर रैलियाँ, सभाएं अब बंद हो चुकी हैं। भाषणों का बोलबाला भी ख़त्म हो चुका। सिर्फ़ घर- घर जाकर हाथ जोड़ने का काम ही बचा है। एक दिसंबर को इन सीटों पर मतदान होना है। भाजपा अब पूरा ज़ोर बूथ कार्यकर्ताओं पर लगाएगी। उसकी रणनीति पहले से तैयार है। जहां तक कांग्रेस का सवाल है, उसका नेटवर्क इतना मज़बूत नहीं है कि वह हर विधानसभा क्षेत्र के हर बूथ पर इतने कार्यकर्ता लगा सके जितने भाजपा लगाती रही है या 1 दिसंबर को लगाएगी। आप पार्टी के पास तो हर सीट के हर बूथ पर लगाने लायक़ कार्यकर्ता ही नहीं है। ख़ासकर, शहरों की उन सीटों पर जहां वर्षों से भाजपा का दबदबा है। सही है, गुजरात में मुफ़्त का क्रेज़ बाक़ी राज्यों की अपेक्षा कुछ ज़्यादा ही है, लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि इस मुफ़्त की रेवड़ी की घोषणा भर से तमाम लोग आप को वोट देने के लिए टूट पड़ेंगे। लगातार फ़ॉलोअप, बार-बार वादों की याद दिलाना और सबसे बड़ी बात ये वादे करने वाला कितना ऑथेंटिक है, ये सब बातें भी महत्वपूर्ण होती हैं। कहने को कांग्रेस ने भी मुफ़्त बिजली का वादा किया है, लेकिन शहरों में इस बात की चर्चा तक नहीं है। सिर्फ़ इसलिए कि किसी बड़े नेता ने इस वादे का फ़ॉलोअप नहीं किया।

> जहां तक कांग्रेस का सवाल है, उसका नेटवर्क इतना मज़बूत नहीं है कि वह हर विधानसभा क्षेत्र के हर बूथ पर इतने कार्यकर्ता लगा सके जितने भाजपा लगाती रही है या 1 दिसंबर को लगाएगी। आप पार्टी के पास तो हर सीट के हर बूथ पर लगाने लायक़ कार्यकर्ता ही नहीं है। ख़ासकर, शहरों की उन सीटों पर जहां वर्षों से भाजपा का दबदबा है। सही है, गुजरात में मुफ़्त का क्रेज़ बाक़ी राज्यों की अपेक्षा कुछ ज़्यादा ही है, लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि इस मुफ़्त की रेवड़ी की घोषणा भर से तमाम लोग आप को वोट देने के लिए टूट पड़ेंगे।

लोगों को इसकी बार-बार याद नहीं दिलाई गई। जो वादा करके ही भूल जाएँ, उन पर आम आदमी आख़िर कितना और क्यों भरोसा करे, यह आसानी से समझा जा सकता है। हालाँकि अब सारा दारोमदार वोटिंग परसेंटेज पर है। 60 से 65 के बीच वोट परसेंट रहता है तो समझिए स्थिति में कोई मोटा बदलाव होने नहीं जा रहा है। अगर वोटिंग परसेंटेज सत्तर से ऊपर जाता है तो वह गुस्से वाला मतदान समझा जाएगा।

और गुस्से का मतदान गुजरात में किसी न किसी रूप में भाजपा को नुक़सान पहुँचा सकता है। इस बार के चुनाव में आम मतदाता की निष्क्रियता बताती है कि वोटिंग परसेंटेज बहुत ऊपर जाने की संभावना कम ही है।

रियर एडमिरल गुरचरण ने पूर्वी बेड़े की कमान संभाली

विशाखापत्तनम। रियर एडमिरल गुरचरण सिंह ने रियर एडमिरल संजय भल्ला से पूर्वी नौसेना कमान (ईएनसी) की स्वॉर्ड आर्म, पूर्वी बेड़े की कमान संभाली। यहां नौसेना की एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि मंगलवार को नौसेना डॉकयार्ड में आयोजित एक शानदार समारोह में 'गार्ड ऑफ चेंज 'कार्यक्रम हुआ। रियर एडमिरल गुरचरण सिंह को 1 जुलाई 1990 को भारतीय नौसेना में कमीशन किया गया था और वे गनरी और मिसाइल युद्ध में विशेषज्ञ हैं। फ्लैग ऑफिसर प्रतिष्ठित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खडकवासला ,रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज, वेलिंगटन; नेवल वॉर कॉलेज, गोवा और नेशनल डिफेंस कॉलेज, नई दिल्ली के पूर्व छात्र हैं। बत्तीस साल के अपने शानदार करियर के दौरान फ्लैग ऑफिसर ने फ्रंटलाइन युद्धपोत रंजीत, प्रहार और ब्रह्मपुत्र पर विभिन्न पदों पर अपनी सेवायें दी है। वह गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट आईएनएस शिवालिक के कमीशनिंग कार्यकारी अधिकारी भी रहे है।

मुंबई के वन क्षेत्र में लगी भीषण आग

मुंबई। महाराष्ट्र के मुंबई शहर के उपनगर गोरेगांव के इन्फिनिटी आईटी पार्क के पीछे घने जंगलों में मंगलवार देर रात भीषण आग लग गयी।यह पहाड़ी संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान का एक हिस्सा बतायी गयी है। संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के कीड़े, पक्षियों और पौधों के जीवन के अलावा तेंदुए, मोर, हिरण और हॉग सहित कई बड़े और छोटे वन्यजीव हैं। आग बुझाने के लिए दमकल की चार गाड़ियां और पानी के दो टैंकर लगे हुए हैं, आग लगने की घटना रात 11 बजे की है। आग बुझाने के लिए पुलिस विभाग, वन एवं वार्ड के कर्मचारियों को मौके पर भेजा गया है।

बहराइच में भीषण हादसा, बस और ट्रक में भिड़ंत, 6 की मौत, 15 यात्री घायल

बहराइच – लखनऊ हाईवे के घाघरा घाट का पास बुधवार को भोर घने कोहरे के चलते जयपुर से बहराइच आ रही ईदगाह डिपो की रोडवेज बस व ट्रक में भिड़ंत हो गई। भीषण हादसे में ट्रक चालक सहित छह लोगों की मौत हो गई है, जबकि 15 लोग घायल हो गए हैं। जिनमें से छह ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर किया गया है। डीएम डा .दिनेश चंद्र व एसएसपी केशव कुमार चौधरी मौके पर पहुंच गए हैं। जरवलरोड थाने के बहराइच- लखनऊ हाईवे के घाघरा घाट के पास यह भीषण हादसा घने कोहरे व ट्रक के रांग साइड होने की वजह से हुआ बताया जा रहा है। भिड़ंत में बस का पिछला व साइड का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। घायलों की चीख पुकार से लोग थर्रा उठे। आसपास के लोग दौड़े और घायलों को बस से निकालने लगे। इसी बीच सूचना पर जरवलरोड थाने की पुलिस पहुंच गई। हादसे में छह लोगों की जान चली गई है। इनमें पश्चिम बंगाल के वर्धमान जिले के उर गांव निवासी 27 वर्षीय अजीत विश्वास पुत्र अतुल विश्वास, बौंडी थाने के डोकरी निवासी 21 वर्षीय विपिन शुक्ला पुत्र अरुण शुक्ला, विशेश्वरगंज निवासी 35 वर्षीय मोहित कुमार सहित छह लोगों की मौत हो गई?। अन्य मृतकों के पहचान की कोशिश की जा रही है।

घायलों में नेपाल के 32 वर्षीय दुर्गा, श्रावस्ती के 25 वर्षीय कन्हैया लाल, नेपाल के 40 वर्षीय धनीराम , नेपाल के 48 वर्षीय प्रेम व बहराइच के 26 वर्षीय ओम प्रकाश को रेफर किया गया है। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है। डीएम व एसएसपी मौके पर है।

पुणे में एनडीए की पासिंग आउट परेड

नौसेना प्रमुख बोले; दुनिया में पारंपरिक युद्ध का खतरा अभी भी मौजूद

पुणे। नेशनल डिफेंस एकेडमी के 143वें कोर्स की पासिंग आउट परेड पुणे के खडकवासला में बुधवार सुबह से शुरू हो गई। इस दौरान नौसेना स्टाफ के प्रमुख एडमिरल आर. हरि कुमार मौजूद रहे। एनडीए की पासिंग आउट परेड अकादमी में तीन साल के लंबे और कठिन प्रशिक्षण की पराकाष्ठा का प्रतीक है। प्रत्येक साल कैडेटों के दो पाठ्यक्रम भारत की प्रमुख सैन्य अकादमी से निकलते हैं।

पारंपरिक युद्ध का खतरा अभी भी मौजूद–एनडीए की पासिंग आउट परेड में हिस्सा लेते हुए नौसेना प्रमुख ने कहा कि जैसे ही आप यहां से बाहर निकलते हैं। आप एक ऐसी दुनिया से रूबरू होंगे, जो अब युद्ध और शांति की सरल परिभाषाओं द्वारा परिभाषित नहीं है। एक ऐसी दुनिया जिसमें पारंपरिक युद्ध का खतरा अभी भी मौजूद है। विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं ने व्यापक महत्व को ग्रहण कर

लिया है।

देश के इन तीन जगहों पर हैं सैन्य अकादमी–एनडीए से पास आउट होने के बाद कैडेट अपने संबंधित सशस्त्र बलों की अकादमियों में पूर्व-कमीशन प्रशिक्षण के एक और साल के लिए निकल जाते हैं। केरल के कन्नूर जिले में स्थित एझिमाला में भारतीय नौसेना अकादमी है। भारतीय सेना के लिए देहरादून में भारतीय सैन्य अकादमी और सेना के लिए तेलंगाना में स्थित डुंडीगल में वायु सेना अकादमी है।

लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल के नाम पर रखा गया नाम मैदान का नाम–आज पुणे में ये परेड एनडीए के खेत्रपाल मैदान में हो रही है। मैदान का नाम द्वितीय लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल के नाम पर रखा गया है। इन्हें परमवीर चक्र के मरणोपरांत दिया गया। ये 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान शकरगढ़ के युद्धक्षेत्र में बसंतर की लड़ाई में शहीद हुए थे।

सर्दियों में कैडेट गहरे नीले रंग की वर्दी हैं पहनते–परेड की शुरुआत परेड ग्राउंड पर आकस्मिक मार्करों द्वारा अपना स्थान लेने के साथ होती है। इसके बाद एनडीए के गीत हम एनडीए के कैडेट हैं की धुनों पर मार्च करते हुए क्वार्टरमास्टर के किले के द्वार से बाकी की टुकड़ियां निकलती हैं। इन कैडेटों के साथ एक चार्जर पर सवार अकादमी एडजुटेंट हैं। जब एनडीए का वसंत सत्र मई के अंत में समाप्त हो जाता है, तो कैडेट गर्मियों की वर्दी पहनते हैं।

दिल्ली में कोहरे के साथ सुबह की हुई शुरुआत, हवा भी हुई खराब

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में बुधवार को अधिकतम तापमान इस मौसम के औसत से थोड़ा अधिक 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जा सकता है। वहीं, वायु गुणवत्ता 'बहुत खराब' श्रेणी में दर्ज की गई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने बुधवार को यह जानकारी दी है। विभाग के मुताबिक, शहर में आज न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस तक गिरने के साथ कोहरा देखा जा सकता है। शहर में न्यूनतम तापमान इस मौसम के औसत से तीन डिग्री कम 7.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। साथ ही केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, शहर में बुधवार को भी वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 369 दर्ज किया गया। आपको बता दें कि शून्य से 50 के बीच एक्यूआई 'अच्छा', 51 से 100 के बीच 'संतोषजनक', 101 से 200 के बीच 'मध्यम', 201 से 300 के बीच 'खराब', 301 से 400 के बीच 'बहुत खराब' और 401 से 500 के बीच एक्यूआई 'गंभीर' माना जाता है। मौसम विभाग के ताजा बुलेटिन के मुताबिक, पूर्वी लहर के कारण अगले 4-5 दिनों के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु और लक्षद्वीप में अलग-अलग जगहों पर वर्षा होने की संभावना है। आईएमडी ने यह भी कहा है कि चार दिसंबर के आसपास दक्षिण अंडमान सागर के ऊपर एक चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र उभरने की संभावना है। इसके कारण 4 और 5 दिसंबर को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह पर भारी वर्षा होने की संभावना है। मौसम विभाग ने अगले 4-5 दिनों के दौरान उत्तर पश्चिम और मध्य भारत में न्यूनतम तापमान 8-10 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना जताई है।

दिल्ली शराब घोटाले में फिर बड़ा ऐक्शन, ईडी ने कारोबारी अमित अरोड़ा को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के चर्चित शराब घोटाले में जांच टीम ऐक्शन जारी है। अब प्रवर्तन निदेशालय यानी ने एक कारोबारी अमित अरोड़ा को गिरफ्तार किया है। अमित अरोड़ा के बारे में बताया जा रहा है कि वो Buddy Retail Pvt Ltd के मालिक हैं। इस घटना की जानकारी रखने वाले ने बुधवार को बताया कि अमित अरोड़ा को इस चर्चित शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में गिरफ्तार किया गया है। 17 अगस्त को सीबीआई ने इस मामले में जो एफआईआर दर्ज की थी उसमें अमित अरोड़ा का नाम आरोपी के तौर पर शामिल था। प्रवर्तन निदेशालय दिल्ली सरकार की आबकारी नीति 2021-2022 को लागू करने में हुई गड़बड़ियों के मामले में मनी लॉन्ड्रिंग के एंगल से जांच कर रही है। इस केस में दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को भी आरोपी बनाया गया है। अधिकारियों ने कहा है कि अमित अरोड़ा दिल्ली में शराब के बिजनेस के अहम खिलाड़ी हैं। मनी लॉन्ड्रिंग में उन्हें गिरफ्तार किये जाने के बाद अब अदालत में उन्हें पेश किया जाएगा। सीबीआई की एफआईआर में कहा गया है कि मनीष सिसोदिया का एक बेहद ही करीबी शख्स दिल्ली में शराब के लाइसेंस को मैनेज करने और इससे फायदे कमाने में शामिल था। सीबीआई और ईडी दोनों ने पिछले हफ्ते इस केस में पहली चार्जशीट दाखिल की है। सीबीआई ने इस मामले में 7 लोगों के खिलाफ चार्जशीट दायर की है। इसमें आम आदमी पार्टी के संचार रणनीतिकार विजय नायर, अभिषेक बोनपल्ली, समीर महेंद्रु, अरूण रामचंद्र पिल्लई, मूथा गौतम के अलावा दो सरकारी सेवक कुलदीप सिंह और नरेंद्र सिंह का नाम शामिल है।

● वहीं प्रवर्तन निदेशालय ने इस मामले में समीर महेंद्रु और उसके दो सहयोगियों के खिलाफ अपनी चार्जशीट पिछले हफ्ते दाखिल की है।

वहीं प्रवर्तन निदेशालय ने इस मामले में समीर महेंद्रु और उसके दो सहयोगियों के खिलाफ अपनी चार्जशीट पिछले हफ्ते दाखिल की है। ईडी ने दावा किया है कि आबकारी नीति से जुड़ी विशेष जानकारियां पब्लिक में सार्वजनिक होने से करीब 45 दिनों पहले लीक कर दी गई थीं। ईडी ने एक और बड़ा दावा यह भी किया है कि मनीष सिसोदिया, लीकर माफिया और कुछ अन्य वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों समेत 34 अहम लोगों ने डिजिटल सबूत मिटाने के लिए 140 फोन नंबर बदले।

कोर्ट-सरकार के बीच और बढ़ेगी तकरार, केंद्र ने कॉलेजियम से आए 19 नाम लौटाए; सिर्फ 2 की मंजूरी

नई दिल्ली। कॉलेजियम के जरिए जजों की नियुक्ति को लेकर न्यायपालिका और सरकार के बीच टकराव बढ़ती ही जा रही है। केंद्र सरकार ने उच्च न्यायालय के जजों की नियुक्ति के लिए सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम द्वारा 21 नामों की सिफारिश में से 19 को वापस कर दिया है। अंग्रेजी अखबार द इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 28 नवंबर को जजों की नियुक्तियों पर सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई से घंटों पहले ये सिफारिशें वापस कर दी गईं। इनमें 10 नाम ऐसे हैं जो कॉलेजियम द्वारा दोहराए गए थे। वहीं, नौ नामों की पहली बार सिफारिश की गई थी।

केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने मंगलवार को एक ट्वीट में कहा कि दो सिफारिशों को स्वीकार कर लिया गया है। वकील संतोष गोविंद चपलगांवकर और मिलिंद मनोहर सथाये को बॉम्बे हाईकोर्ट का जज बनाया गया है। कॉलेजियम ने 12 सितंबर को इनके नामों की सिफारिश की थी। केंद्र सरकार द्वारा जिन नामों को लौटाया गया है, उनमें इलाहाबाद उच्च न्यायालय के पांच, कलकत्ता उच्च न्यायालय के दो, केरल हाईकोर्ट के दो और कर्नाटक हाईकोर्ट के एक नाम शामिल हैं। इसके अलावा बॉम्बे हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस दीपांकर दत्ता को सुप्रीम कोर्ट के जज के तौर पर सिफारिश करने वाला कॉलेजियम का 26 सितंबर का फैसला भी सरकार के पास लंबित है।

● इलाहाबाद हाईकोर्ट

रिशद मुर्तजा : 24/08/2021 को अनुशंसित और 14/07/2022 को दोहराया गया।
शिशिर जैन: 24/08/2021 को अनुशंसित और 14/07/2022 को दोहराया गया।
ध्रुव माथुर: 24/08/2021 को अनुशंसित और 14/07/2022 को दोहराया गया।
विमलेन्दु त्रिपाठी: 24/08/2021 को अनुशंसित और 14/07/2022 को दोहराया गया।
मनु खरे: 06/10/2021 को अनुशंसित और 14/07/2022 को दोहराया गया।

कलकत्ता हाईकोर्ट

अमितेश बनर्जी : 24/07/2019 को अनुशंसित और 01/09/2021 को दोहराया गया।
शाक्य सेन: 24/07/2019 को अनुशंसित और 08/10/2021 को दोहराया गया।

कर्नाटक उच्च न्यायालय

नागेंद्र रामचंद्र नाइक: 03/10/2019 को अनुशंसित और 02/03/2021 व 01/09/2021 को दोहराया गया।

केरल उच्च न्यायालय

संजीता कल्लोर अरक्कल: 01/09/2021 को अनुशंसित और 11/11/2021 को दोहराया गया।
अरविंद कुमार बाबू थावरक्कट्टिल: 01/09/2021 को अनुशंसित और 11/11/2021 को दोहराया गया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

वे अभिव्यक्ति और प्रेस की आजादी की मांग भी कर रहे हैं। यहां तक कि कई विश्वविद्यालयों के छात्र भी सड़कों पर उतर आये हैं। छात्रों की सक्रियता से वर्ष 1989 में थियानमिन चौक पर छात्र आंदोलन को क्रूरता से कुचलने की यादें फिर ताजा हो गई हैं। बहरहाल, कम्युनिस्ट सरकार इन तेज होते आंदोलनों से सकते में है और सख्ती से इन्हें कुचलना चाहती है।

चीन में उबाल

खुली सांसों के लिये सड़कों पर उतरे लोग शर्त/ कतांत्रिक व मानवीय अधिकारों के दमन के अंतहीन सिलसिले वाले साम्यवादी देश चीन में दर्जन से अधिक बड़े शहरों के आक्रोशित लोग सड़कों पर उतर आये हैं। इस विरोध का तात्कालिक कारण कोविड के खिलाफ जीरो पॉलिसी के चलते लगाये सख्त प्रतिबंध हैं। बीजिंग से शुरू हुए ये प्रदर्शन देश के करीब तेरह शहरों में फैल गये हैं। पुलिस लाठीचार्ज, मिर्च स्प्रे तथा गिरफ्तारी से लेकर दमन के सारे हथकंडे अपना रही है। लेकिन विरोध का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है। यहां तक कि लोग तीसरे कार्यकाल की ओर बढ़ रहे शी जिनपिंग के इस्तीफे तथा लोकतांत्रिक आजादी की मांग कर रहे हैं। प्रतीकात्मक विरोध के रूप में सफेद कागज लहराते लोग सड़कों पर नजर आ रहे हैं। वे अभिव्यक्ति और प्रेस की आजादी की मांग भी कर रहे हैं। यहां तक कि कई विश्वविद्यालयों के छात्र भी सड़कों पर उतर आये हैं। छात्रों की सक्रियता से वर्ष 1989 में थियानमिन चौक पर छात्र आंदोलन को क्रूरता से कुचलने की यादें फिर ताजा हो गई हैं। बहरहाल, कम्युनिस्ट सरकार इन तेज होते आंदोलनों से सकते में है और सख्ती से इन्हें कुचलना चाहती है। यहां तक कि आंदोलन को कवर करने गये एक विदेशी मीडियाकर्मी को गिरफ्तार किया गया और रिहा करने से पहले मारा-पीटा गया। फिर भी फ्रीडम ऑफ प्रेस, फ्रीडम ऑफ एक्सप्रेशन और फ्रीडम ऑफ मूवमेंट जैसी मांग कर रहे लोग सरकार विरोधी प्रदर्शनों में जमकर भाग ले रहे हैं। दरअसल, पिछले दिनों चीन में कोविड संक्रमण के मामलों में तेजी आई है। रविवार को चालीस हजार नये मामले सामने आये। वहीं एक्टिव केसों की संख्या लाखों में जा पहुंची है। जिसके चलते चीनी सरकार ने सख्त कोविड प्रतिबंधों के क्रम में लॉकडाउन लगा दिया है। लंबे अर्से से लगे प्रतिबंधों से लोग उकता गये हैं। उनकी जीविका पर संकट है और खाने-पीने की चीजें जुटाने में दिक्कत हो रही है। करोड़ों लोग बंधकों जैसा जीवन बिता रहे हैं। दरअसल, कम्युनिस्ट सरकार की हर क्षेत्र में जारी सख्ती के बीच गुस्से की आग को उस समय हवा मिली जब चीन के शिंजियांग प्रांत में एक 21 मंजिला भवन में आग लगी। इसकी 15वीं मंजिल में फंसे लोग कोविड के सख्त प्रतिबंधों की वजह से बच नहीं सके और राहत भी देर से पहुंची। इस मंजिल में दस लोगों की मौत की वजह लोगों ने सख्त कोविड प्रतिबंधों को माना। फिर इसके बाद बीजिंग और अन्य शहरों में लोग सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन करने लगे। लोग अधिकारियों की लापरवाही को हादसे की वजह बता रहे हैं। जिसके विरोध में पूरे देश में गुस्सा फूट पड़ा है। दरअसल, चीन सरकार की जीरो कोविड नीति दुनिया की सबसे सख्त नीतियों में शामिल है। यही वजह है कि चीन के बड़े शहरों की सड़कों पर क्षुब्ध लोग जिनपिंग गद्दी छोड़ो, कम्युनिस्ट पार्टी गद्दी छोड़ो, शिंजियांग को अनलॉक करो, चीन को अनलॉक करो, पीसीआर टेस्ट नहीं चाहिए, प्रेस की आजादी को लेकर लगातार नारे लगा रहे हैं। प्रदर्शनकारी दमन से बचने के लिये खाली सफेद कागज लेकर विरोध कर रहे हैं। वे कह रहे हैं -हमें लोकतंत्र चाहिए, तानाशाही नहीं। उन्हें इस घटनाक्रम में चीनी मीडिया की खामोशी साल रही है कि क्यों उनके आंदोलन की खबरों को तरजीह नहीं दी जा रही है। वहीं चीनी सरकारी मीडिया पश्चिमी मीडिया पर आंदोलन को हवा देने का आरोप लगा रहा है। कई जगह पुलिस आंदोलनकारियों को गिरफ्तार करके ले जाती दिखी है।

सूक्ति

दूब की तरह छोटे बनकर रहो। जब घास-पात जल जाते हैं तब भी दूब जस की तस बनी रहती है।
- गुरु नानक

प्रत्येक शिशु एक संदेश लेकर आता है कि भगवान मनुष्य को लेकर हतोत्साहित नहीं है।
- रविन्द्रनाथ टैगोर

लॉफिंग ज़ोन

ट्रेन के डिब्बे में खिड़की के नीचे उंगली आने के बाद यात्री, 'हाय मर गया। पता नहीं रेल विभाग इस खिड़की में गुटका क्यों नहीं ठीक कराता।' कहता हुआ चिल्ला रहा था।

'जरा-सी उंगली दब जाने से जमीन-आसमान एक किए हुए हो और लड़कियों की तरह रोए जा रहे हो। मैं डेली पैसेंजर हूँ। कल जब एक आदमी की खिड़की खोलते समय गर्दन आ गई थी तब भी उसने चूं तक भी नहीं की थी।'

□ □ □

एक सज्जन ने घर लौट कर अपनी पत्नी से कहा, 'आज मेरे बॉस ने मुझे ऐसे शब्द कहे कि अगर उसने अपने शब्द वापस नहीं लिए तो कल से नौकरी पर नहीं जाऊंगा।'

पत्नी बोली, 'क्या कहा बॉस ने।'

वह बोले, 'बॉस ने कहा था कि मैं तुम्हें नौकरी से निकाल रहा हूं।'

□ □ □

एक कम्पनी के मालिक ने अपने एक कर्मचारी से कहा, 'तुमने हमारी कम्पनी में बहुत लगन और मेहनत से काम किया हैं। ईनाम के तौर पर मैं तुम्हें अभी एक दस हजार का चैक दे रहा हूं।

अगर तुम इसी तरह लगन से काम करते रहे तो अगले वर्ष इस पर दस्तखत भी कर दूगा।'

एचआईवी संक्रमण से बचने के लिए जागरूकता जरूरी

(लेखक - योगेश कुमार गोयल/ विश्व एड्स दिवस (1 दिसम्बर) पर विशेष)

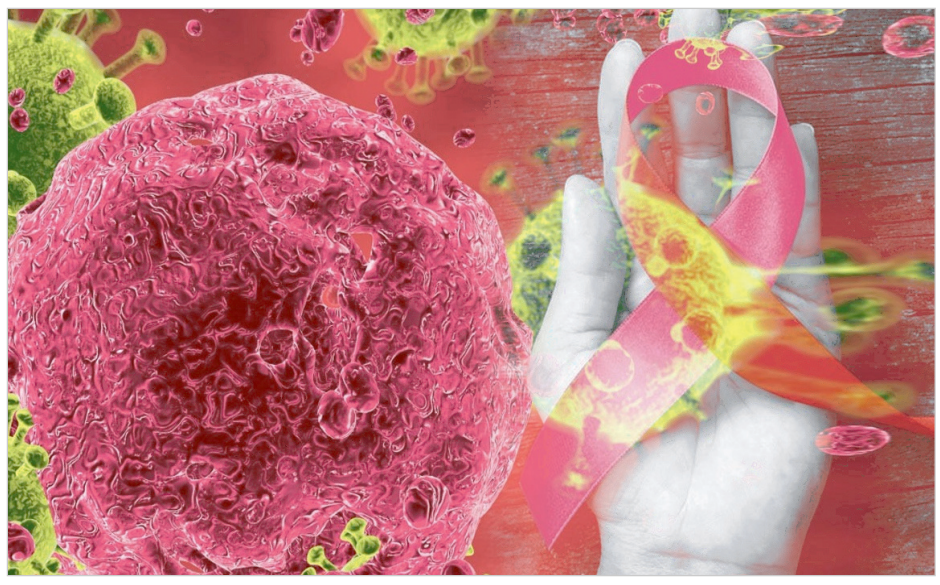

एचआईवी संक्रमण के प्रसार को रोकने तथा एड्स महामारी के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से वर्ष 1988 के बाद से प्रतिवर्ष 1 दिसंबर को 'विश्व एड्स दिवस' मनाया जाता है। हालांकि शुरूआती दौर में इस दिवस को केवल बच्चों तथा युवाओं से ही जोड़कर देखा जाता था किन्तु बाद में एड्स पर हुए कई शोधों से पता चला कि एचआईवी संक्रमण किसी भी उम्र के व्यक्ति को प्रभावित कर सकता है। इस साल हम 35वां एड्स दिवस मना रहे हैं और यह दिवस इस बात का मूल्यांकन करने का अवसर है कि एड्स मुक्त दुनिया के वादे को पूरा करने में हम फिलहाल किस ट्रैक पर हैं। वैसे संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्य को पारित करते हुए भारत सहित दुनिया के 194 देशों ने वर्ष 2030 तक 'एड्स मुक्त दुनिया' का वादा किया है और भारत की राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 में भी यह वादा दोहराया गया है। हालांकि बीते कुछ वर्षों में एचआईवी से संक्रमित होने वालों की संख्या में लगातार कमी आ रही है लेकिन फिर भी स्थिति बहुत ज्यादा बेहतर नहीं कही जा सकती। दिल्ली नेटवर्क ऑफ पॉजिटिव पीपल के सह-संस्थापक रहे लून गांगटे का यह सवाल बहुत महत्वपूर्ण है कि जब वैज्ञानिक उपलब्धियों के कारण और सामुदायिक अनुभव से यह सर्वविदित है कि एचआईवी के साथ जीवित व्यक्ति सामान्य ज़िंदगी जी सकता है तो 2020 में 6.8 लाख लोग एड्स संबंधित रोगों से कैसे मारे गए? वैज्ञानिक शोधों के कारण आज हमारे पास एचआईवी संक्रमण से बचाव के तरीक़े हैं फिर भी 2020 में 15 लाख नए लोग कैसे एचआईवी से संक्रमित हो गए? उनका कहना है कि यदि हम एचआईवी नियंत्रण और प्रबंधन में कार्यसाधकता नहीं बढ़ाएंगे तो 2030 तक कैसे दुनिया को एड्स मुक्त करेंगे? जहां तक एड्स के इतिहास की बात है तो माना जाता है कि सबसे पहले 19वीं सदी में अफ्रीका के खास प्रजाति के बंदरों में एड्स का वायरस मिला था और बंदरों से यह रोग इंसानों में फैला। दरअसल उस समय अफ्रीका में लोग बंदरों को खाया करते थे। इसीलिए माना गया कि कि बंदर खाने से यह वायरस किसी मनुष्य के शरीर में प्रविष्ट हुआ होगा। 1920 में यह बीमारी सबसे पहले अफ्रीका के कांगो की राजधानी किंसास में फैली थी। वैसे सबसे पहले एचआईवी वायरस 1959 में कांगो के एक बीमार व्यक्ति के रक्त के नमूने में मिला था जिसे पहला एचआईवी संक्रमित व्यक्ति माना गया था। यह भी माना जाता है कि उस जमाने में कांगो की राजधानी किंसास सैक्स ट्रेड का गढ़ थी जहां से शारीरिक संबंधों के जरिये यह बीमारी अन्य देशों में पहुंची और 1960 में अफ्रीका के हैती तथा कैरीबियाई द्वीप में फैली। 1970 के दौरान यह वायरस कैरीबिया से न्यूयार्क शहर में फैला और फिर अमेरिका से दुनिया के अन्य हिस्सों में पहुंचा। 1981 में लॉस एंजिल्स के डा. माइकल गॉटलीब ने पांच मरीजों में एक अलग किस्म के निमोनिया की पहचान की। सभी पांचों मरीज समलैंगिक थे जिनमें रोग से लड़ने वाला तंत्र एकाएक कमजोर पड़ गया था इसीलिए उस समय डॉक्टरों को लगा कि यह केवल समलैंगिकों में ही होने वाली कोई बीमारी है लेकिन जब बाद में जब दूसरे लोगों में भी यह वायरस मिला तो उन्हें अहसास हुआ कि उनकी धारणा गलत है। उसके बाद इस बीमारी से पीड़ित मरीजों का अध्ययन करने के पश्चात् अमेरिका के सेंटस फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन ने पहली बार 1982 में इस बीमारी के लिए 'एड्स' (एक्वायर्ड इम्यूनो डेफिसिएंशी सिंड्रोम) शब्द का इस्तेमाल किया और फ्रांस के पाश्चर इंस्टीच्यूट के दो वैज्ञानिकों ल्यूक मॉन्टेगनियर तथा फ्रैंकोइस बर्रे सिनूसी ने 1983 में एड्स से पीड़ित रोगी की सूजी हुई लिम्फ ग्रंथि से एक वायरस की खोज की जिसे उन्होंने 'एलएवी' वायरस नाम दिया। अगले साल 1984 में अमेरिका के राष्ट्रीय कैंसर संस्थान के रॉबर्ट गैलो ने एचटीएलवी-3 वायरस की खोज की। 1984 में शोधकर्ताओं ने पहली बार एड्स के वायरस 'एचआईवी' (ह्यूमन इम्यूनो डेफिसिएंशी वायरस) की पहचान की। शोधकर्ताओं को गहन अध्ययन के बाद 1985 में यह पता चला कि एलएवी तथा एचटीएलवी-3 दोनों एक ही वायरस हैं जो एड्स फैलाते हैं जिसके बाद पहली बार 1986 में एचटीएलवी-3 तथा एलएवी वायरस का नाम बदलकर 'एचआईवी' रख दिया गया। भारत में एड्स का पहला मामला वर्ष 1986 में सामने आया था। जहां तक 'विश्व एड्स दिवस' मनाए जाने की बात है तो इस दिवस की शुरूआत के पीछे विश्व स्वास्थ्य संगठन में एड्स संबंधित कार्यक्रम के पब्लिक इन्फॉर्मेशन ऑफिसर रहे जेम्स डब्ल्यू बन तथा थॉमस नेटर का आइडिया था जिनके दिमाग में अगस्त 1987 में यह दिवस मनाने का आइडिया आया था। दोनों ने अपने आइडिया से एड्स संबंधित प्रोग्राम के ग्लोबल डायरेक्टर डा. जोनाथन मान को अवगत कराया। डा. जोनाथन को उनका आइडिया काफी पसंद आया और उन्होंने हर साल 1 दिसम्बर को 'विश्व एड्स दिवस' मनाने की स्वीकृति प्रदान कर दी। पहली बार 1 दिसम्बर 1988 को विश्व एड्स दिवस मनाया गया जिसे मनाने का उद्देश्य एचआईवी या एड्स से ग्रसित लोगों की मदद करना और एड्स से जुड़े मिथ को दूर करते हुए लोगों को शिक्षित करना था। अभियान के पहले दो वर्षों में परिवारों पर एड्स के प्रभाव को उजागर करने के लिए बच्चों और युवाओं के विषय पर केन्द्रित दिवस था। 1996 में यूएन एड्स ने विश्व एड्स दिवस के संचालन को अपने हाथ में ले लिया और पहल के दायरे को एक वर्ष के रोकथाम और शिक्षा अभियान तक बढ़ा दिया। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार 2020 के अंत में दुनियाभर में करीब 37.7 मिलियन लोग एचआईवी से ग्रस्त थे जिनमें से दो तिहाई यानी करीब 25.4 मिलियन अफ्रीकी क्षेत्र में हैं। 2020 में 6.8 मिलियन लोग एचआईवी से संबंधित कारणों से मारे गए और डेढ़ मिलियन नए लोगों को एचआईवी हुआ। एचआईवी वास्तव में एक ऐसा वायरस है जो शरीर में उन कोशिकाओं पर हमला करता है जो शरीर को इंफेक्शन से लड़ने में मदद करती हैं।

इससे व्यक्ति अन्य संक्रमणों और बीमारियों के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाता है और धीरे-धीरे एक ऐसी स्थिति आ जाती है जब इम्यून सिस्टम पूरी तरह से काम करना बंद कर देता है। यह वायरस मानव रक्त यौन तरल पदार्थ तथा स्तनों के दूध में रहता है और जब इसका उपचार नहीं किया जाता तो यह एड्स बीमारी का कारण बनता है। एचआईवी संक्रमण प्रायः असुरक्षित यौन संबंध एचआईवी संक्रमित व्यक्ति के सम्पर्क में आए इंजेक्शन या उपकरणों को साझा करने से हो सकता है। दुनियाभर में फिलहाल एचआईवी का कोई प्रभावी इलाज मौजूद नहीं है इसलिए एचआईवी से बचने के लिए जागरूकता बेहद जरूरी है।

(लेखक 32 वर्षों से पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

लुप्त हो रहे जीवों का संरक्षण अब डीएनविधि की सहायता से

(लेखक- मुकेश तिवारी)

मानव की द्रुत गति से बढ़ती जनसंख्या और सभ्यता के विकास के साथ ही उत्पन्न पर्यावरणीय असंतुलन ने अनेक समस्याओं को जन्म दिया है अभी हाल में संपन्न हुई पर्यावरण बैठक सी ओ पी -27मे भी इस मुद्दे को लेकर चिंता जताई गई है इनमें से एक महत्वपूर्ण समस्या है बदलते परिवेश में अपनी जैविक क्षमता को परिष्कृत न कर पाने वाले प्राणियों का तेजी के साथ विलुप्त होते जाना मिथक बन चुके डायनासोर इसी के शिकार हुए थे आज कृत्रिम -यांत्रिक डायनासोर को भी देखकर लोग रोमांचित होते हैं डायनासोरडोडो आदि के साथ अनेक प्राणी पृथ्वी से विलुप्त हो चुके हैं और अनेक प्रजातियां इस ओर अग्रसर है पृथ्वी पर पाई जाने वाली 8करोड प्राणियों की प्रजातियों में से तकरीबन 14लाख प्राणियों की पहचान की जा चुकी है इनमें से 25फीसदी प्रजातियां अपने अस्तित्व को बचाए रखने के लिए संघर्ष कर रही हैं।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि संकटग्रस्त प्राणियों के संरक्षण की पहल विभिन्न स्तर पर की जा रही है। इस दिशा में ब्राजील के जैव वैज्ञानिको द्वारा प्रजनन शक्ति पैदा की गई है। उनकी सक्रियता से विलुप्त होते पक्षी की संख्या में वृद्धि हुई है। हालांकि यह प्रयोग केवल एक विशेष प्रकार के तोते स्पिक्स मकाव पर किया जा रहा है। प्रयोग की आरंभिक सफलता से उत्साहित जैव वैज्ञानिक द्वारा विश्वास व्यक्त किया जा रहा है कि अब किसी भी प्राणी को विलुप्त होने से बचाना संभव हो सकेगा। यद्यपि वन्य प्राणियों के विलुप्त होने का एक सबसे बड़ा कारण है ।इनका शिकार और खरीद -फरोख्त हैं ज्ञात है कि विश्व के तकरीबन प्रत्येक देश में वन्य प्राणियों के शिकार और खरीद-फरोख्त पर प्रतिबंध है। फिर भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में नशीली दवाओं और हथियारों के बाद वन्य प्राणियों का अवैध व्यापार सबसे ज्यादा होता है। एक अनुमान के अनुसार प्रतिवर्ष 217 अरब रूपये के वन्य प्राणियों की -फरोख्त होती है। तेजी से विलुप्त होते स्पिंक्स मकाव जो कि दक्षिण अमेरिकी पक्षी है खुद। अपनी खूबसूरती के कारण जन सामान्य के आकर्षण का केंद्र होता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी एक जोड़ी की कीमत 10लाख रूपये तक मिल जाती है। स्पिंक्स मकाव की खूबसूरती इस प्रजाति के लिए घातक साबित हुई है। स्पिंक्स वह खूबसूरती ने इसकी प्रजाति को ही विनाश के कगार पर ला खड़ा किया है और अब कुल मिलाकर महज तीन दर्जन से भी कम स्पिंक्स मकाव शेष बचे हैं। स्पिंक्स मकाव का बाजार इतना गरम हुआ कि जंगलों में तो दूर संग्राहको के पास भी स्पिंक्स मकाव दिखाई देना बंद हो गया। पायगन्ट न चिड़ियाघर और कुछ निजी पक्षी प्रेमियों संग्राहको के पास भी मकाव को जिंदा नहीं रखा जा सका। सन 1980 तक यह माना जाने लगा था कि स्पकस मकाव हमेशा के लिए लुप्त हो चुका है स्थिति की गंभीरता को देखते हुए ब्राजील की सरकार ने वैज्ञानिकों। निजी पक्षी प्रजनको और वन्य प्राणी संरक्षण के क्षेत्र में कार्यरत संस्थाओं को मिलाकर एक समिति बनाई। समिति ने डीएनए फिंगरप्रिंट पद्धति से विलुप्त प्राय पक्षी के अध्ययन की सिफारिश की। अध्ययन के दौरान पता चला कि स्पकस मकाव भी तोतो में पाई जाने वाली लगभग 30 गंभीर बीमारियों से ग्रस्त थे। इन बीमारियों की वजह से ही उनकी प्रजनन क्षमता क्षीण होती गई और समूची प्रजाति विनाश के कगार पर पहुंच गई । समिति ने इस इकलौते स्पिकस मकाव की जोड़ी को खोजने के लिए युद्ध-स्तर पर अभियान प्रारंभ किया। इस अभियान में सबसे बड़ा अवरोध अन्य पक्षियों की तरह मकाव के लिंग निर्धारण की समस्या थी इसके समाधान के लिए डीएनए तकनीकी को सर्वाधिक उपयुक्त माना गया और वैज्ञानिकों की एक टीम ने निरंतर 14 माह तक कार्य कर ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में डीएनए तकनीक को विकसित करने में सफलता हासिल की। इस डीएनए तकनीक के अंतर्गत स्पिकस मकाव के जंगल में गिरे हुए पंख से प्राप्त हुए डीएनए का शुद्धीकरण फोरजेन मेमथ के डीएनए की मदद से की गई । है स्पिंक्स मकाव के डीएनए परीक्षण से ज्ञात हुआ कि वह नर था। ऐसा पहली मर्तबा हुआ जब किसी पक्षी का लिंग निर्धारण उसके पंख से प्राप्त डी एन ए की मदद से संभव हो सका। डी एन ए तकनीक के उपयोग से ही पक्षियों के लिग निर्धारण और फिर इनसे मिलते-जुलते अन्य पक्षियों से प्रजनन करवाने के प्रयास हो रहे हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि इसके लिए उतक के प्रत्यारोपण या अन्य शल्यकर्म के द्वारा भी प्रजनन करवाया जा सकता है ।इसके साथ ही अन्य कदम भी उठाए जा रहे हैं जिसके आशातीत परिणाम सामने आ रहे हैं विगत मार्च महीने में ब्राजील के संग्रह से एक मादा मकाव को प्रादेशिक वन क्षेत्र में जैविक प्रशिक्षण के पश्चात छोड़ा गया था 3 महीने तक यह दिखाई नहीं दिया। लेकिन अभी कुछ दिन पहले ही दो स्पिक्स मकाव एक साथ दिखे। अब तक इस जोड़ी को पिछले 4 सालों से मकाव संरक्षण के लिए चलाए जा रहे अभियान के संचालन कर्ता मारकास डॉ रे ने ही देखा है ।उनको भरोसा है कि प्रजनन ऋतु नवंबर तक इसकी संख्या में इजाफा होगा और अगर एक बार पुनः स्पिक्स मकाव दक्षिण अमेरिका में चहकने लगे तो ऐसे ही अभियानों के द्वारा अन्य लुप्त प्रायपक्षियों की रक्षा भी की जा सकेगी। फिर दिनोंदिन इस डी एन ए तकनीक का विकास और परिष्कृत होता जाएगा।

(चिंतन-मनन)

व्यक्ति-निर्माण समाज पर निर्भर

व्यक्ति का निर्माण केवल उसी पर नहीं, बहुत कुछ अंशों में समाज पर निर्भर है इसलिए उसे अपने निर्माण को समाज के निर्माण में देखना है। सफलता का पहला सूत्र है- मूल्यों का परिवर्तन। समाज का निर्माण मूल्यों के परिवर्तन से ही होता है। स्वार्थ और संग्रह, ये दोनों मूल्य जब विकसित होते हैं तब व्यक्ति पुष्ट होता है और समाज क्षीण। क्षीण समाज में समर्थ व्यक्तित्व विकसित नहीं हो पाते। आज का समाज सही अर्थ में क्षीण है। उसे पुष्ट करने के लिए स्वार्थ और विसर्जन के मूल्यों को विकसित करना जरूरी है। इनसे समाज पुष्ट होगा। पुष्ट समाज में समर्थ व्यक्तित्व पैदा होंगे। क्षीण कोई नहीं होगा। मैंने देखा है स्वार्थ और संग्रह परायण समाज ने अनेक प्रकार की क्रूर्ताओं और अनैतिकताओं को जन्म दिया है। इसे बदलना क्या आज के सामाजिक व्यक्ति का कर्तव्य नहीं है? सफलता का दूसरा सूत्र है- शक्ति का विकास। शक्ति के दो स्रोत हैं- मानसिक विकास और संगठन। मानसिक विकास के लिए धर्म का अभ्यास और प्रयोग करना जरूरी है। संगठन की शक्ति का विस्फोट इतना हुआ है कि अब इसमें कोई विवाद ही नहीं है। हमारे पूज्य भिक्षु स्वामी ने संगठन का मूल्य दो शताब्दी पूर्व ही समझ लिया था। उनके अनुयायियों को क्या उसे अब भी समझना है। वात्सलता और सहानुभूति को विकसित किए बिना संगठन सुदृढ़ नहीं हो सकता। आज सबकुछ शक्ति-संचय के आधार पर हो रहा है। इसलिए संगठन अब अनिवार्य हो गया है। छोटे-छोटे प्रश्न इस महान कार्य में अवरोध नहीं बनने चाहिए। सफलता का तीसरा सूत्र है- शातौर परिवर्तन का यथार्थ-बोध। कुछ स्थितियां देशकालातीत होती है। उन्हें बदलने की जरूरत नहीं है, किंतु देशकाल सापेक्ष स्थितियों का देशकाल के बदलने के साथ न बदलना असफलता का मुख्य हेतु है। परिवर्तन के विषय में युवकों का दृष्टिकोण बहुत स्पष्ट होना चाहिए। बदलना अपने आप में कोई उद्देश्य नहीं है और नहीं बदलना कोई सार्थकता नहीं है। बदलने की स्थिति होने पर बदलना विकास की अनिवार्य प्रक्रिया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत में फोन निर्यात दोगुना होने पर पीएम मोदी ने जाहिर की खुशी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चालू वित्तवर्ष की अप्रैल-अक्टूबर अवधि के दौरान साल-दर-साल आधार पर फोन निर्यात दोगुना होने पर खुशी व्यक्त की। मोबाइल फोन का निर्यात सात महीने के अंदर 5 अरब डॉलर के स्तर को पार कर गया। यह पिछले वर्ष की समान अवधि में भारत द्वारा कमाए गए 2.2 अरब डॉलर के दोगुने से भी अधिक है। सूचना प्रौद्योगिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर के ट्वीट पर प्रधानमंत्री ने जवाब दिया भारत निर्माण की दुनिया में लगातार प्रगति कर रहा है। चंद्रशेखर ने ट्वीट किया था पीएम नरेंद्र मोदी जी की दूरदर्शी पीएलआई योजना के कारण मोबाइल फोन निर्यात सात महीने के भीतर 5 अरब डॉलर के स्तर को पार कर गया है जो पिछले साल की इसी अवधि में भारत के 2.2 अरब डॉलर के दोगुने से भी अधिक है।

टूटे चावल सहित गैर-बासमती किस्म के चावल के निर्यात पर रोक हटी

नई दिल्ली । केंद्र की मोदी सरकार ने घरेलू बाजार में चावल की कीमतों में आई नरमी के बाद जैविक गैर-बासमती चावलों के निर्यात पर लगी पाबंदी हटा दी है। घरेलू बाजार में चावल की आपूर्ति बढ़ने से कीमतों में गिरावट आई है। मोदी सरकार ने अब टूटे चावल सहित गैर-बासमती किस्म के चावल के निर्यात पर लगे प्रतिबंध को हटा लिया है। बता दें कि भारत सरकार ने सितंबर की शुरुआत में घरेलू बाजार में चावल की उपलब्धता बढ़ाने के मकसद से जैविक गैर-बासमती और टूटे चावल के निर्यात पर रोक लगा दी थी। घरेलू बाजार में चावल की कीमतों में आ रही तेजी को रोकने के लिए सरकार ने इसके निर्यात पर लगने वाली ड्यूटी को बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने का फैसला लिया था। इस साल देश के कुछ राज्यों में बारिश औसत से भी कम होने से धान का बुवाई क्षेत्र घट गया था। इससे चावल का उत्पादन प्रभावित हो गया। यह देखकर मोदी सरकार ने घरेलू सप्लाई को बढ़ाने के लिए टूटे चावल और जैविक गैर-बासमती चावल के निर्यात पर रोक लगा दी थी। भारत दुनिया में चावल का सबसे बड़ा निर्यातक देश है। वर्ष 2020-21 के दौरान भारत ने 150 से भी ज्यादा देशों को चावल निर्यात किया था। चावल के वैश्विक व्यापार में भारत की 40 फीसदी भागीदारी है। फॉरेन ट्रेड के डायरेक्टोरेट जनरल ने बताया कि टूटे हुए चावल और जैविक गैर-बासमती चावल के निर्यात पर अब पहले वाले नियम ही चलने हैं। बता दें कि अचानक से लगी रोक के कारण बड़ी मात्रा में चावल का स्टॉक बंदरगाहों पर फंस गया था।

अगले साल 15 अगस्त से पहले अद्यतन राष्ट्रीय डिजाइन नीति लाएंगे : सचिव

नई दिल्ली । मोदी सरकार का इरादा 15 अगस्त 2023 से अद्यतन राष्ट्रीय डिजाइन नीति लाने का है। मोदी सरकार ने बुधवार को मौजूदा राष्ट्रीय डिजाइन नीति पर उद्योग से विचार मांगे हैं। सरकार ने राष्ट्रीय डिजाइन नीति को फरवरी 2007 में मंजूरी दी थी। इस नीति का मकसद बेहतर तरीके से परिभाषित और प्रबंधित नियामकीय व्यवस्था के जरिये भारतीय डिजाइन को प्रोत्साहन देना संवर्द्धन एवं संस्थागत ढांचा बनाना और विभिन्न क्षेत्रों के लिए विशेष डिजाइन और नवोन्मेषण केंद्र बनाना है। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग (डीपीआईआईटी) में सचिव अनुराग जैन ने कहा कि अद्यतन नीति देश के लिए अच्छी बात होगी। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के 'इंडिया डिजाइन समिट' को संबोधित कर जैन ने कहा हमें संभवतः अपनी नीति का अद्यतन करने की जरूरत है। 15 अगस्त 2023 से पहले हम अद्यतन डिजाइन नीति लाने का प्रयास करेंगे।

शेयर बाजार रिकार्ड ऊंचाई पर बंद

सेंसेक्स पहली बार 63000 अंक के पार

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार बुधवार को रिकार्ड ऊंचाई पर पहुंचा। दुनिया भर के बाजार से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही विदेशी निवेशकों की जमकर खरीददारी से भी घरेलू बाजार उछला है। इसे मानक सूचकांक सेंसेक्स पहली बार 63000 अंक से ऊपर पहुंचा। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 417.81 अंक करीब 0.67 फीसदी बढ़कर 63099.65 अंक पर बंद हुआ। यह सेंसेक्स का नया रिकॉर्ड स्तर है। बाजार पहली बार यहां तक उछला है। वहीं पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 140.30 अंक करीब 0.75 फीसदी बढ़त के साथ ही 18758.35 अंक के नये रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स में शामिल दिग्गज कंपनियों में से महिंद्रा एंड महिंद्रा अल्ट्राटेक सीमेंट पावरग्रिड हिंदुस्तान यूनिलीवर भारती एयरटेल एशियन पेंट्स टाटा स्टील और टाइटन के शेयर सबसे ज्यादा ऊपर आये जबकि इंडसइंड बैंक भारतीय स्टेट बैंक एचसीएल टेक्नोलॉजीज और आईटीसी के शेयर गिरे हैं। बाजार जानकारों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) का निवेश आने से घरेलू बाजार को बल मिला। इसके बाद भी बाजार की नजरें फेडरल रिजर्व पर बनी रहेंगी। अगर ब्याज दरों में बढ़ोतरी की रफ्तार कम होती है तो घरेलू बाजार में ओर तेजी आयेगी। इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला और खरीददारी जारी रहने से बाजार ऊपर आता गया। वहीं एशियाई बाजारों में मिलाजुला

कारोबार हुआ। दक्षिण कोरिया का कॉस्पी चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग में उछाल आया पर जापान के निक्की में गिरावट आई। इसके अलावा यूरोप के शेयर बाजारों में तेजी रही। गत दिवस अमेरिकी बाजारों में मिश्रित कारोबार हुआ। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय तेल मानक कच्चा तेल ब्रेंट क्रूड 1.83 फीसदी बढ़कर 84.55 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर पहुंच गया।

रुपये में तेजी

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को रुपये में बढ़त आई है। इससे अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया 34 पैसे के लाभ के साथ ही 81.38 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं सुबह अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 81.63 पर खुला था। कारोबार के दौरान यह 81.38 के शीर्ष स्तर और 81.64 के निम्न स्तर तक फिसला। अंत में रुपया 34 पैसे की बढ़त के साथ ही 81.38 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस रुपया 81.72 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। बाजार जानकारों का मानना है कि कच्चे तेल की कम कीमतें और विदेशी संस्थागत निवेशकों का निवेश बढ़ने से भारतीय रुपये में बढ़त आई है।

डिस्कॉम पर बिजली उत्पादकों पारेषण कंपनियों और व्यापारियों का बकाया कम हुआ

नई दिल्ली। बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) पर बिजली उत्पादकों पारेषण कंपनियों और व्यापारियों का बकाया पिछले छह माह में 24680 करोड़ रुपये घटकर 113269 करोड़ रुपये हो गया है। बिजली मंत्रालय ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। बिजली मंत्रालय ने कहा कि बिजली (विलम्ब भुगतान अधिभार एवं संबद्ध मामले) नियम 2022 के क्रियान्वयन के साथ डिस्कॉम के आपूर्तिकर्ताओं (बिजली उत्पादक पारेषण कंपनियों और व्यापारियों) के बकाया में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। बयान में कहा गया है कि डिस्कॉम पर कुल बकाया तीन जून 2022 को 137949 करोड़ रुपये था। चार मासिक किस्तों (ईएमआई) के समय पर भुगतान से यह 24680 करोड़ रुपये घटकर 113269 करोड़ रुपये रह गया है। पांच राज्यों ने 24680 करोड़ रुपये की ईएमआई के भुगतान के लिए पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन (पीएफसी) और आरईसी लि. से 16812 करोड़ रुपये का कर्ज लिया है जबकि आठ अन्य राज्यों ने इसके लिए अपनी खुद व्यवस्था की है। वितरण कंपनियां भी अपने मौजूदा बकाया का समय पर भुगतान कर रही हैं जिसने वे नियमन के तहत नहीं आएं। वितरण कंपनियों ने पिछले पांच माह में मौजूदा बकाया के करीब 168000 करोड़ रुपये का भुगतान किया है। अभी सिर्फ एक कंपनी जेबीवीएनएल ने मौजूदा बकाया का भुगतान नहीं करने की वजह से नियमन के तहत आई है। बयान के अनुसार अबतक जो परिणाम आए हैं यह देखकर उम्मीद है कि विलम्ब भुगतान अधिभार नियम के कड़ाई से क्रियान्वयन से बिजली क्षेत्र को वित्तीय रूप से व्यवहारिक बनाने में मदद मिलेगी। इससे 24 घंटे बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए निवेशक निवेश के लिये आकर्षित होने वाले हैं।

रिकॉर्ड हाई की तरफ बढ़ने लगा सोना

नवंबर में 2500 रुपए हुआ महंगा

नई दिल्ली।

शादियों का सीजन शुरू होते ही सोने की मांग में भी तेजी आ गई है। एक ओर सोने की मांग बढ़ रही है वहीं दूसरी ओर गोल्ड के रेट भी बढ़ते नजर आ रहे हैं। भारत में सोने की कीमतों में लगातार दूसरे दिन वृद्धि दर्ज की गई है। एमसीएक्स पर सोना वायदा 53000 रुपए प्रति 10 ग्राम को पार गया है जबकि चांदी 62800 रुपए प्रति किलोग्राम पर सपाट रही। केंद्रीय बैंकों द्वारा मौद्रिक सख्ती की गति के कमजोर होने और अमेरिकी डॉलर में वापसी की संभावना ने इस महीने सोने की कीमतों को ऊपर उठाने में मदद की है। नवंबर को इस साल सोने के लिए सबसे अच्छा महीना निर्धारित किया गया है क्योंकि फेड द्वारा अपनी आगामी बैठकों में छोटी दरों में बढ़ोतरी की उम्मीद से पीली धातु को समर्थन मिला है। भारत में इस महीने सोने की कीमतें लगभग 5 फीसदी यानी 2500 रुपए प्रति 10 ग्राम की वृद्धि देखी गई लेकिन अगर देखा जाए तो गोल्ड अभी भी अपने रिकॉर्ड लेवल से 3000 रुपये सस्ता मिल रहा है। अगस्त 2020 में सोने के दाम 56200 रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर पर

पहुंच गए थे। वैश्विक बाजारों में हाजिर सोना 0.2फीसदी बढ़कर 1752.95 डॉलर प्रति औंस था। हाजिर चांदी 0.1फीसदी फिसलकर 21.23 डॉलर पर आ गई। सोने को डॉलर इंडेक्स के कमजोर होने से समर्थन मिला जिससे अन्य मुद्रा धारकों के लिए बुलियन कम महंगा हो गया। अमेरिकी डॉलर इंडेक्स भी निचले स्तरों से रिकवरी के बाद 107-106 के बीच सीमित है। भारतीय सर्राफा बाजार में पिछले सप्ताह सोने की कीमतों में तेजी आई थी। सोने के भाव में 254 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी के भाव में 1387 रुपए प्रति किलोग्राम का उछाल आया था। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) की वेबसाइट के मुताबिक पिछले बिजनेस वीक (21 से 25 नवंबर) की शुरुआत में यानी 21 नवंबर को 24 कैरेट सोने का रेट 52406 था जो शुक्रवार तक बढ़कर 52660 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। वहीं 999 शुद्धता वाली चांदी की कीमत 60442 से बढ़कर 61829 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई।

बैंक लॉकर में रखे सामान की क्षति यहां चोरी होने पर बैंक की होगी जिम्मेदारी

नुकसान की 100 प्रतिशत पूरी भरपाई करेगा

नई दिल्ली ।

आरबीआई ने बीते साल बैंक लॉकर से जुड़े नियमों में कुछ बदलाव किए थे। ये नियम इस साल जनवरी में लागू हुए। इन नियमों में बदलाव के पीछे का मकसद लॉकर में जमा संपत्तियों की चोरी की वारदातों पर लगाम लगाना था। नियमों में बदलाव से पहले लॉकर से चोरी हुए किसी सामान की जिम्मेदारी से लेने से बैंक अपना पल्ला झाड़ लेते थे लेकिन अब वे ऐसा नहीं कर सकते हैं। आमतौर पर बैंक चोरी के मामले में यह बोलकर अपने आप को अलग कर लेते थे कि लॉकर के अंदर रखे सामान के लिए बैंक जिम्मेदार नहीं है। लेकिन नए नियमों के लागू होने के बाद अगर लॉकर में रखे सामान कोई क्षति पहुंचती है या फिर वह चोरी होता है तब बैंक अपनी देनदारी से पीछे नहीं हट पाएंगे। आरबीआई द्वारा बैंक लॉकर संबंधी नए नियम के अनुसार अगर लॉकर में रखे किसी भी सामान को कुछ नुकसान होता है तब बैंक उसकी 100 फीसदी नुकसान की भरपाई देगा। बैंकों के लॉकर में रखे कीमती गहनों व अन्य संपत्तियों के चोरी होने के बढ़ते मामलों को देखकर आरबीआई ने नियमों में यह बदलाव किया है। आरबीआई ने इसके अलावा बैंकों पर एक और जिम्मेदारी सौंपी है। आरबीआई ने कहा है कि अब बैंकों को बताना होगा कि उनके पास कितने खाली लॉकर हैं और कितने लॉकरों के लिए वेटिंग पीरियड कितना चल रहा है। इससे बैंक लॉकरों को लेकर पारदर्शिता बढ़ने की उम्मीद है। आप बैंकों से लॉकर 3 साल के लिए किराए पर ले सकते हैं। बैंक इसके बदले में किराया कुछ और बताते हैं वहीं कई तरह के शुल्क मिलाकर वास्तविक किराया लेते कुछ और हैं। इसमें भी बदलाव है। मान ले किसी लॉकर का किराया 10 हजार रुपये है तब बैंक आपसे 3 साल में

30000 रुपये से अधिक किराया नहीं लेगा। अगर कोई अन्य शुल्क लिया जाना है तब उस शुल्क के बारे में ग्राहक को पहले बताया जाएगा। इसके अलावा धोखाधड़ी की रोकथाम के लिए एक नियम यह भी लाया गया है कि यदि आप अपने लॉकर का इस्तेमाल करते हैं तब आपको एसएमएस या इमेल के जरिए इसकी जानकारी दी जाएगी। इससे कोई और आपका लॉकर इस्तेमाल नहीं कर पाएगा।

सर्दियों में सकारात्मक मांग बढ़ने से एफएमसीजी कंपनियां उत्साहित ग्रामीण क्षेत्र से अच्छी खरीद की उम्मीद

नई दिल्ली ।

दैनिक उपभोग का सामान बनाने वाली फास्ट मूविंग कन्यूजमर गुड्स (एफएमसीजी) कंपनियां सर्दियों के उत्पादों की सकारात्मक मांग बढ़ने की वजह से उत्साहित हैं। उन्हें उम्मीद है कि पारा जैसे-जैसे नीचे जाएगा इनके उत्पादों का इस्तेमाल उतना ही बढ़ेगा। डाबर इमामी और मैरिको जैसी कंपनियों के सर्दियों के उत्पादों की बिक्री तेज हुई है जिनमें त्वचा की देखभाल वाले उत्पादों से लेकर प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले च्यवनप्राश और शहद जैसे उत्पाद शामिल हैं। कंपनियों को उम्मीद है कि फसल अच्छी रहने और सामान्य मुद्रास्फीति में नरमी आने से आगामी तिमाहियों में ग्रामीण क्षेत्रों में बिक्री बढ़ेगी। ई-कॉमर्स और व्यापार के आधुनिक माध्यमों पर भी सर्दियों के उत्पादों की बिक्री अच्छी बनी हुई है। मैरिको में मुख्य परिचालन अधिकारी (भारत में कारोबार) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (नया कारोबार) संजय मिश्रा ने कहा कि सफोला इम्युनिवेदा श्रृंखला के उत्पादों और बॉडी लोशन जैसे के लिए सर्दियों का मौसम अहम होता है जिनके लिए विशेषकर उत्तरी क्षेत्र से मांग आती है। उन्होंने कहा सर्दियों शुरू होने के साथ ही इस साल भी इन उत्पादों का इस्तेमाल बढ़ गया है। मिश्रा ने कहा कि हमें भरोसा है कि इन सर्दियों में बॉडी लोशन की श्रेणी में मांग में वृद्धि सालाना आधार पर 50 प्रतिशत से अधिक रहेगी।

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट तेल की कीमतों में हो सकती हैं गिरावट

नई दिल्ली।

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट का दौर जारी है। बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड बीते 28 नवंबर 2022 को जनवरी महीने के बाद से अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है। ब्रेंट क्रूड की कीमतों में गिरावट के बाद तेल के दाम घटने की उम्मीद बढ़ी है। इसका कारण चीन में सख्त कोविड प्रतिबंधों और 5 दिसंबर से रूसी तेल पर जी-7 मूल्य कैप के कारण मांग पर असर पड़ा है। ब्रेंट की बात करें तब ये 2.6/बैरल या 3 फीसदी से ज्यादा फिसलकर 80.97 के स्तर पर आ गया है। रूस सहित तेल निर्यातकों के ओपेक+समूह द्वारा एक और उत्पादन में कटौती की आशंका ने तेज गिरावट में योगदान दिया है। समूह की एक बैठक मौजूदा उत्पादन सीमा पर 4 दिसंबर को होने वाली है। ब्रेंट में लगातार तीन हफ्तों से कमजोरी देखी जा रही है। इसका नतीजा है कि भारतीय रिफाइनरों द्वारा खरीदे गए कच्चे तेल का मिश्रण मार्च में औसतन 112.8 से गिरकर 82/बैरल हो गया है। ये उपभोक्ताओं और अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा है। मौजूदा समय में पेट्रोल और डीजल की कीमतें लगभग 85 डॉलर प्रति बैरल पर तेल को दर्शाती हैं। इस प्रकार हाल की गिरावट ईंधन की कीमतों में कटौती की गुंजाइश छोड़ती है अगर तेल इस स्तर पर रहता है या आने वाले दिनों में और लड़खड़ाता है तब लोगों को इसका फायदा मिल सकता है। तेल की कीमतों में पिछली बार 22 मई को कटौती की

गई थी इस दौरान सरकार ने 24 फरवरी को यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बाद ब्रेंट में तेजी के बाद उपभोक्ताओं को राहत के रूप में पेट्रोल पर 8 रुपये और डीजल पर 6 रुपये उत्पाद शुल्क घटाया था। इसके बाद से तेल की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं।

केंद्र ने 4 एयरपोर्टों का परिचालन करने वाले निजी उद्यमों में एएआई की हिस्सेदारी की बिक्री फिलहाल टाली

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने दिल्ली मुंबई हैदराबाद और बेंगलुरु हवाई अड्डों का परिचालन करने वाले निजी संयुक्त उद्यमों में भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) की हिस्सेदारी की प्रस्तावित बिक्री को फिलहाल टाल दिया है। सार्वजनिक स्वामित्व वाले एएआई की इन चार प्रमुख हवाई अड्डों में बाकी की हिस्सेदारी राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन (एनएमपी) के तहत बेची जानी थी। इस योजना की घोषणा पिछले वर्ष अगस्त में की गई थी। एनएमपी के जरिये वित्त वर्ष 2021-22 से 2024-25 तक चार साल की अवधि में केंद्र सरकार की मुख्य संपत्तियों के माध्यम से छह लाख करोड़ रुपये की कुल मुद्रीकरण क्षमता होने का अनुमान है। दिल्ली और मुंबई हवाई अड्डों का परिचालन करने वाले संयुक्त उपक्रमों में एएआई की 26-26 प्रतिशत हिस्सेदारी है। वहीं हैदराबाद तथा बेंगलुरु हवाई अड्डों का परिचालन करने वाले संयुक्त उपक्रमों में उसकी हिस्सेदारी 13-13 प्रतिशत है। सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि वित्त मंत्रालय ने इन चारों संयुक्त उपक्रमों में एएआई की शेष या बाकी हिस्सेदारी की बिक्री फिलहाल के लिए टालने का फैसला लिया है क्योंकि अभी इनका मूल्यांकन कम हो सकता है। एनएमपी के तहत कुल 25 हवाई अड्डों और चार हवाई अड्डों के संयुक्त उपक्रमों में एएआई की बाकी हिस्सेदारी बेचने पर विचार किया जा रहा है।

इन परिसंपत्तियों की बिक्री से 2022-25 तक मिलने वाला कुल अनुमानित मूल्य 20782 करोड़ रुपये है। इसमें से 10000 करोड़ रुपये का मौद्रिक मूल्य हवाई अड्डों के निजी संयुक्त उपक्रम में एएआई की हिस्सेदारी को बेचने से मिलने का अनुमान है।

हिमाचल प्रदेश में गेहूं की दो अधिक उपज देने वाली किस्में पेश

शिमला ।

हिमाचल प्रदेश के कृषि विभाग ने राज्य में खाद्यान्न उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए गेहूं की दो अधिक उपज देने वाली किस्में डीबीडब्ल्यू 222 और डीबीडब्ल्यू 187 पेश की हैं। अधिक उपज देने वाली गेहूं की किस्में डीबीडब्ल्यू 222 और डीबीडब्ल्यू 187 मौजूदा किस्मों के 35-37 प्रति क्विंटल की तुलना में 60 क्विंटल प्रति हेक्टेयर की उपज देती हैं। हिमाचल प्रदेश कृषि विभाग के संबंधित मामले के विशेषज्ञ राजीव मिन्हास ने कहा कि इन दो किस्मों के लगभग 23000 क्विंटल बीज 50 प्रतिशत सब्सिडी पर किसानों को दिए गए हैं। मिन्हास ने कहा कि डीबीडब्ल्यू 222 (करण नरेंद्र) में उच्च जंग प्रतिरोध और सहनशीलता है और बुवाई के समय अनुकूलन के अलावा बेहतर कृषि संबंधी विशेषताएं हैं जबकि डीबीडब्ल्यू 187 (करण वंदना) प्रोटीन और आयरन से भरपूर है। कृषि निदेशक बी आर ताखी ने कहा कि कांगड़ा ऊना हमीरपुर सोलन बिलासपुर और सिरमौर जिलों की निचली पहाड़ियों में नई किस्मों को समय पर (15 अक्टूबर से 15 नवंबर) बोया गया है क्योंकि बारिश ने मिट्टी में आवश्यक नमी पैदा की और वर्षा आधारित क्षेत्रों

में भी गेहूं की समय पर बुवाई का मार्ग प्रशस्त किया। प्रदेश में 3.30 लाख हेक्टेयर में गेहूं का उत्पादन हो रहा है और उत्पादन का लक्ष्य 6.17 लाख टन का है। गेहूं धान मक्का जौ और तिलहन मुख्य खाद्यान्न हैं। खाद्यान्नों के अलावा आलू सब्जियां और अदरक राज्य की मुख्य व्यावसायिक फसलें हैं और सब्जियों के तहत 82000 हेक्टेयर क्षेत्र आलू के तहत 15.10 हजार हेक्टेयर और अदरक (हरा) के तहत तीन हजार हेक्टेयर का खेत रकबा प्रस्तावित है। कृषि विभाग के अधिकारियों ने कहा कि किसान अधिक लाभ प्राप्ति और सब्जियों की अधिक उपज और विदेशी किस्मों को उगाने के लिए वाणिज्यिक फसलों में विविधता ला रहे हैं। सेब उत्पादन के लिए जाना जाने वाला हिमाचल अब एक सब्जी के प्रमुख केंद्र के रूप में भी उभर रहा है। वर्ष 2022-23 में सब्जी आलू एवं अदरक (हरा) का उत्पादन लक्ष्य क्रमशः 1759 हजार टन 195 हजार टन एवं 34 हजार टन निर्धारित किया गया है।

टाटा समूह के पास आते ही एयर इंडिया को लगे पंख लगातार हो रहा विस्तार और बदलाव

मुंबई ।

सिंगापुर एयरलाइंस ने एयर इंडिया में विस्तारा के विलय की घोषणा की है। विस्तारा टाटा समूह और सिंगापुर एयरलाइंस का ज्वाइंट वेंचर है। इस विलय से एयर इंडिया देश की सबसे बड़ी घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय विमानन कंपनी बनेगी। एयर इंडिया की भारतीय विमानन क्षेत्र में 30 फीसदी भागीदारी हो जाएगी। एयर इंडिया और विस्तारा की विलय प्रक्रिया अगले 16 माह में पूरी होगी।

सिंगापुर एयरलाइंस एयर इंडिया में 25.1 फीसदी हिस्सेदारी के लिए 2059 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। इसके पहले टाटा समूह ने नवंबर में एयरएशिया इंडिया के एयर इंडिया एक्सप्रेस के साथ विलय की घोषणा की थी। नवंबर 2023 तक विलय प्रक्रिया पूरी होने के बाद एयरएशिया इंडिया ब्रांड समाप्त हो सकता है। एयरएशिया और एयर इंडिया एक्से सप्रेस के विलय में जहां कुछ कानूनी अड़चनें थी वहीं विस्तारा और एयर इंडिया के मर्जर में कोई बाधा नहीं है। विस्तारा-एयर इंडिया विलय की समय सीमा मार्च 2024 निर्धारित की गई है। एयर इंडिया ने विस्तारा के कई पूर्व कर्मचारियों को अपने यहां नौकरी दी है। इसके साथ ही सीईओ और एमडी कैंपबेल विल्सन ने सिंगापुर एयरलाइन और सब्सिडियरी स्कूट में काम किया है। इससे भी विलय प्रक्रिया के आसानी से पूरा होने में मदद मिलेगी। टाटा ग्रुप ने एयर इंडिया के अगले 5 साल का रोडमैप बनाया है। कंपनी ने इस विहान.एआई प्लान नाम दिया है। एयर इंडिया का इरादा अगले 5 साल में अपने घरेलू हिस्सेदारी को 30 प्रतिशत तक बढ़ाने का है। विहान.एआई प्लान में कंपनी ने कुछ लक्ष्य बनाए हैं जिसे हासिल करने के लिए एयर इंडिया अगले 5 वर्षों तक काम करेगी। अगर मौजूदा बाजार हिस्सेदारी देखी जाए एयर इंडिया और विस्तारा के मर्जर के बाद एयर इंडिया 30 प्रतिशत घरेलू बाजार हिस्सेदारी पांच साल से कम समय में ही हासिल कर सकती है। घरेलू यात्रियों के लिहाज से एयर इंडिया और विस्तारा के बीच बस कुछ हजार का ही अंतर है।

मर्जर से इन दोनों के बीच प्रतिस्पर्धा समाप्त होगी और इससे दूसरे प्रतिभागियों से कंपीटिशन करना आसान होगा। इससे दोनों विमानन कंपनियों को परिचालन में बेहतर तालमेल बिठाने और तेजी से उभरते विमानन बाजार में अपनी बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने में मदद मिलेगी।

स्पिनर कुलदीप को एक भी मैच में नहीं मिला अवसर

क्राइस्टचर्च । स्पिनर कुलदीप यादव को न्यूजीलैंड दौरे में एक भी मैच खेलने का अवसर नहीं मिला है। कुलदीप तीसरे एकदिवसीय के लिए भी अंतिम ग्यारह में जगह नहीं बना पाये। वहीं माना जा रहा था कि कप्तान शिखर धवन इस खिलाड़ी को एक मैच में जरुर अवसर देंगे। इससे पहले हुई टी20 सीरीज में भी उन्हें एक भी मैच खेलने को नहीं मिला था। टी20 सीरीज में हालांकि हार्दिक पंड्या कप्तान थे। कुलदीप का अंतरराष्ट्रीय रिकॉर्ड अच्छा रहा है। इसके बाद भी उन्हें टीम में जगह नहीं मिलन तैरानी की बात है। उन्होंने अब तक 72 एकदिवसीय और 25 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 118 और 44 विकेट लिए हैं। वहीं टेस्ट मैचों की बात की जाये तो उन्होंने 7 मैचों में 26 विकेट लिए हैं। कुलदीप टीम में एकमात्र ऐसे खिलाड़ी रहे। जिन्हें इस दौरे पर एक भी मैच खेलने को नहीं मिला। वहीं पहले एकदिवसीय मुकाबले में अच्छा प्रदर्शन करने के बाद भी युवा विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को बाकि मैचों में अवसर नहीं मिला।

तीसरा एकदिवसीय बारिश के कारण रद्द न्यूजीलैंड ने 1-0 से जीती सीरीज

लैथम को प्लेयर ऑफ द सीरीज अवार्ड

क्राइस्चर्च ।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच बुधवार को यहां खेला गया तीसरा एकदिवसीय क्रिकेट मैच बारिश के कारण पूरा नहीं हो पाने के कारण रद्द घोषित कर दिया गया। इसी के के साथ ही तीन मैचों की यह सीरीज मेजबान न्यूजीलैंड टीम ने 1-0 से जीत ली है। मेजबान टीम ने पहला एकदिवसीय जीता था जबकि दूसरा मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया था। वहीं आज सीरीज का तीसरा और अंतिम मैच भी बारिश के कारण पूरा नहीं हो पाया। इस कारण अंपायरों ने इसे रद्द कर दिया। इस मैच में जीत के लिए मिले 220 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए मेजबान कीवी टीम ने अच्छी शुरुआत की। फिन एलन 57 और डेवोन कॉनवे नाबाद 38 के बीच 97 रन की शुरुआती साझेदारी से 18 ओवर में ही टीम ने एक विकेट पर 104 रन बनाये। कप्तान केन विलियमसन शून्य पर ही नाबाद रहे। भारतीय टीम की ओर से एकमात्र विकेट उमरान मलिक ने एलन का लिया। इसके बाद बारिश को गयी जिसके बाद मैच फिर शुरु नहीं किया जा सका। उस समय डीएलएस नियम के अनुसार मेजबान टीम 50 रन से आगे थी पर मैच होने के लिए दूसरी पारी में 20 ओवर की जरुरत थी। इसलिए मैच को रद्द कर दिया गया। लक्ष्य का पीछा करते हुए मेजबान टीम के बल्लेबाज एलन और कॉनवे ने अच्छी शुरूआत की हालांकि भारत की ओर से दीपक चाहर और अर्शदीप सिंह ने इन्हें खुलकर खेलने नहीं दिया। वहीं इससे पहले वाशिंगटन सुंदर 51 और श्रेयय अय्यर 49 की अच्छी बल्लेबाजी से टीम इंडिया ने 47.3 ओवर में 219 रन बनाये। भारत को यहां तक पहुंचने में सुंदर का अहम योगदान रहा। जब भारतीय टीम ने 121 रनों पर ही पांच विकेट खो दिये थे तब सुंदर ने एक छोर संभाला। इस बल्लेबाज ने 64 गेंदों पर पांच चौके और एक छक्का लगाकर रन गति को भी बनाये रखा। अय्यर ने भी 59 गेंदों पर आठ चौकों के साथ 49 रन बनाये। न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर भारतीय टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। भारतीय टीम की शुरुआत धीमी रही और दोनो ही सलामी बल्लेबाज अधिक रन नही बना पाये। शुभमन गिल ने 22 गेंदों पर दो चौकों के साथ 13 रन बनाये जबकि कप्तान शिखर धवन ने 45 गेंदों पर तीन चौके और एक छक्का लगाकर 28 रन बनाये। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत फिर नाकाम रहे और 16 गेंदों पर केवल 10 रन ही बना पाये। वहीं अय्यर ने ऋषभ के साथ 30 रन और सूर्यकुमार यादव के साथ 25 रन की साझेदारी की। सूर्यकुमार इस मैच में केवल छह रन ही बना पाये। युवा बल्लेबाज दीपक हुड्डा ने 12 रन बनाये। इसके बाद सुंदर ने निचले क्रम के बल्लेबाजों के साथ पारी को आगे बढ़ाया। उन्होंने युज़वेंद्र चहल के साथ 31 रन जोड़े और टीम को 200 रन से आगे पहुंचाया। वहीं मिचेल सैंटनर ने चहल को आठ रन पर आउट करके यह साझेदारी तोड़ी। मेजबान टीम के गेंदबाज एडम मिल्ने ने 10 ओवर में 57 रन देकर तीन विकेट और डेरिल मिचेल ने सात ओवर में 25 रन देकर इतने ही विकेट लिए। टिम साउदी ने 8.3 ओवर में 36 रन देकर दो विकेट जबकि फर्ग्यूसन और सैंटनर ने एक-एक विकेट लिया। इस सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉम लैथम को प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवार्ड मिला है। लेथम ने पहले एकदिवसीय में नाबाद 145 रन बनाये थे।

फीफा वर्ल्ड कप : ईरान को 1-0 से हराकर यूएसए ने अंतिम 16 में बनाई जगह, इंग्लैंड ने वेल्स को 3-0 से पछाड़ा

दोहा (कतर)

स्ट्राइकर क्रिस्टियन पुलिसिच के एक गोल की मदद से यूएसए ने ईरान को 1-0 से पछाड़ दिया, जिस कारण ईरान को यह मैच गंवाना पड़ा। वहीं, दूसरे मैच में इंग्लैंड ने वेल्स को 3-0 से हरा दिया। मंगलवार को अल थुमामा स्टेडियम में चेल्सी के स्ट्राइकर ने मैच का एकमात्र गोल 38वें मिनट में किया। पुलिसिच का एकमात्र गोल यूएसए को अंतिम-16 में ले गया, जहां उनका सामना शनिवार को नीदरलैंड से होगा। अमेरिका ने आठ वर्षों में पहली बार विश्व कप में वापसी की है। टीम ने अबतक तीन मैच खेले हैं, जिसमें एक मैच में जीत और दो मैच ड्रॉ रहे। वहीं, टीम के पास अभी पांच अंक हैं। वहीं, ईरान को इंग्लैंड ने 6-2 से हराया था, लेकिन वेल्स को ईरान ने 2-0 से हराया था। वेल्स पर 2-0 की जीत के साथ टीम के पास तीन अक हैं। ग्रुप में टीम ने अभी तक 3 मैच खेले, जिसमें उसने एक मैच में जीत और दो मैच ड्रॉ खेले। टीम को 64 साल बाद विश्वकप में वापसी की उम्मीद थी, लेकिन वह जगह बनाने में कामयाब नहीं रही। अमेरिका ने आठ वर्षों में पहली बार विश्व कप में वापसी की है। टीम ने अबतक तीन मैच खेले हैं, जिसमें एक मैच में जीत और दो मैच ड्रॉ रहे। वहीं, टीम के पास अभी पांच अंक हैं।

हॉकी: भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 4-3 से हराया

एडिलेड। भारतीय हॉकी टीम ने बुधवार को यहां मेट स्टेडियम में पांच मैचों की सीरीज में जिंदा रहने के लिए तीसरे मैच में 4-3 से जीत के साथ दुनिया की नंबर एक आस्ट्रेलिया के खिलाफ अपनी 12 मैचों की हार के सिलसिले को तोड़ दिया। यह 65 हॉकी मैचों में आस्ट्रेलिया पर भारत की 13वीं जीत थी और 2016 के बाद पहली जीत थी। यह मनदीप सिंह थे, जिन्होंने भारत के लिए विजेता स्कोर करने के लिए आकाशदीप सिंह को मदद दी, जबकि अन्य गोल हरमनप्रीत सिंह (12), अभिषेक (47) और शमशेर सिंह (57) ने किए। आस्ट्रेलिया के लिए जैक वेल्च (25), एरन जालेव्स्की (32) और नाथन एफ्राम्स (59) ने गोल में योगदान दिया। मैच के बाद भारत के मुख्य कोच ग्राहम रीड ने कहा, आज यह एक बेहतर रक्षात्मक प्रयास था। हमने कई मौकों पर अच्छी वापसी की। हालांकि, उन्होंने फिर भी खिलाड़ियों को अपने विरोधियों को बहुत अधिक मौके देने की चेतावनी दी। मैच के बाद भारत के मुख्य कोच ग्राहम रीड ने कहा, आज यह एक बेहतर रक्षात्मक प्रयास था। हमने कई मौकों पर अच्छी वापसी की।

शूटिंग: अर्जुन बबूता, विवान कपूर ने जीता राष्ट्रीय खिताब

नई दिल्ली,

पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल में अर्जुन बाबूता और पुरुषों की ट्रैप में विवान कपूर को 65वीं राष्ट्रीय शूटिंग चैम्पियनशिप प्रतियोगिता (65वीं एनएससीसी) में राष्ट्रीय चैंपियन का ताज पहनाया गया, जो इस समय दिल्ली और तिरुवनंतपुरम में आयोजित की जा रही हैं। पंजाब के अर्जुन ने असम के हृदय हजारिका को तिरुवनंतपुरम के वट्टियूरक्कावु शूटिंग रेंज में स्वर्ण पदक मैच में 16-8 से हराया, जहां राइफल राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं हो रही हैं, जबकि राजस्थान के विवान ने दिल्ली के डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज (डीकेएसएसआर), शॉटगन नेशनल्स के आयोजन स्थल पर पदक मैच तमिलनाडु के पृथ्वीराज टोंडिमन को मात दी। अर्जुन ने 263.4 के स्कोर के साथ शीर्ष आठ रैंकिंग राउंड में स्वर्ण पदक जीता। हृदय 262.9 के साथ दूसरे स्थान पर रहे और खिताबी मुकाबले में अपनी जगह बनाई। पुरुषों के ट्रैप में, विवान राज्य के साथी और पेरिस 2024 ओलंपिक कोटा विजेता भूनीश मेंदिरत्ता के बाद दूसरे सेमीफाइनल में दूसरे स्थान पर रहे। उन्होंने बाद के 22 के मुकाबले 21 स्कोर किए। वे पृथ्वीराज द्वारा पदक मैच में शामिल हुए, जो सेमीफाइनल में शीर्ष पर रहे। अर्जुन ने 263.4 के स्कोर के साथ शीर्ष आठ रैंकिंग राउंड में स्वर्ण पदक जीता। हृदय 262.9 के साथ दूसरे स्थान पर रहे और खिताबी मुकाबले में अपनी जगह बनाई। ओलंपियन दिव्यांश सिंह पंवार ने रणवीर काटकर को 16-8 के अंतर से हराकर जूनियर पुरुष 10 मीटर एयर राइफल जीता। पश्चिम बंगाल के अभिनव शॉ ने यूथ मेन्स एयर राइफल में काटकर को 16-14 से हराकर खिताब अपने नाम किया, जिन्हें दिन में दूसरी बार स्वर्ण से वंचित किया गया था।

संक्षिप्त समाचार

विश्व कप के महत्वपूर्ण मैच में ड्रा के लिए नहीं खेल रहे फुटबॉल : अर्नोल्ड

कैनबरा, आस्ट्रेलिया के मुख्य कोच ग्राहम अर्नोल्ड ने घोषणा की है कि उनकी टीम उनके आगामी फीफा विश्व कप मैच में ड्रॉ के लिए नहीं खेलेगी। बुधवार को आस्ट्रेलिया, डेनमार्क से भिड़ेगा। 2006 के बाद पहली बार आस्ट्रेलिया को अंतिम 16 में जाने के लिए इस मैच में ड्रॉ काफी होगा। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, मैच से पहले पत्रकारों से बात करते हुए, अर्नोल्ड ने कहा कि सोकेरूस ट्यूनीशिया के खिलाफ अपनी जीत के समान इरादे के साथ मैच में उतरेगा। उन्होंने कहा, मैंने अपने जीवन में कभी भी ड्रा करने के लिए प्रशिक्षण नहीं लिया है। यह बाहर जाने और फंट फुट पर रहने के बारे में सोचा है जैसे हम फ्रांस के खिलाफ 30 मिनट और ट्यूनीशिया के खिलाफ 60 मिनट के लिए खेले थे। उन्होंने कहा, डेनमार्क के खिलाफ में हमें 90 प्रतिशत या 100 प्रतिशत खेलना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि हम किसी भी गलतियों को ना दोहराएं। द सोकेरूस ने शनिवार को ट्यूनीशिया को 1-0 से हराया - 2010 के बाद से पुरुषों के विश्व कप में आस्ट्रेलिया की पहली जीत है , जिसने उन्हें फ्रांस के पीछे ग्रुप डी में दूसरे स्थान पर रखा। अर्नोल्ड ने कहा कि टूर्नामेंट में इस स्तर पर महत्वपूर्ण रूप से बदलती रणनीति या लाइनअप प्रमुख मैच के लिए भ्रम पैदा कर सकता है। हालांकि, ट्यूनीशिया मैच से बाहर हुए 23 वर्षीय राइट-बैक नथानिएल एटकिंसन के टखने की चोट से उबरने के बाद शुरूआती 11 में लौटने की उम्मीद है। यह लगातार दूसरा पुरुष विश्व कप है, जहां आस्ट्रेलिया डेनमार्क से खेलेगा। रूस में 2018 विश्व कप में, दोनों देशों ने रोमांचक 1-1 से ड्रॉ खेला, जहां सोकेरूस ने अधिकांश मैच पर कब्जा किया और गोल पर अधिक शॉट दर्ज किए।

पाकिस्तान पहुंचते ही बीमार हुई इंग्लैंड क्रिकेट टीम

रावलपिंडी। 17 साल बाद टेस्ट सीरीज खेलने के लिए पाकिस्तान पहुंची इंग्लैंड टीम को करारा झटका लगा है। इंग्लैंड टीम के 14 सदस्य यहां पहुंचते ही बीमार पड़ गये हैं। इसके कप्तान बेन स्टोक्स सहित अन्य खिलाड़ी ओर सहयोगी स्टाफ के सदस्य भी शामिल हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार वायरस की चपेट में आने वाले 14 लोगों में तकरीबन आधे खिलाड़ी हैं। इसके अलावा कोचिंग स्टाफ के कुछ सदस्य भी इससे संक्रमित हुए हैं। डॉक्टर ने इन सभी को होटल में ही आराम करने को कहा है। ऐसे में 16 सदस्यीय स्क्वाड में से केवल पांच ने यहां वैकल्पिक अभ्यास सत्र में भाग लिया। तीन टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला गुरुवार को रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में शुरू होगा। लंकाशायर की ओर से खेलने वाले ऑलराउंडर लियाम लिविंगस्टन इस मैच में इंग्लैंड की ओर से टेस्ट पदार्पण करेंगे जबकि सलामी बल्लेबाज बेन डकेट छह साल बाद टेस्ट में वापसी करेंगे। इस रिपोर्ट में कहा गया कि आज के अभ्यास में केवल जो रूट ज़ैक क्रॉली हैरी ब्रूक ओली पोप और कीटन जेनिंग्स ने भी भाग लिया। इस दौरान मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम भी उपस्थित थे। रिपोर्ट में बताया कि यह वायरस कोविड-19 नहीं है और खिलाड़ियों के एक दिन में ही ठीक होने की संभावनाएं हैं।

पीकेएल: प्रतीक दहिया ने गुजरात जायंट्स को पुनेरी पल्टन पर जीत दिलाई

हैदराबा

प्रतीक दहिया की शानदार रेडिंग ने मंगलवार को यहां गाचीबोवली इंडोर स्टेडियम में पुनेरी पल्टन पर गुजरात जायंट्स को 51-39 से जीत दिलाई। जायंट्स की जीत ने पल्टन का पांच मैचों की जीत का सिलसिला खत्म कर दिया। पल्टन की धमाकेदार शुरुआत ने उन्हें शुरुआती बढ़त में आगे रखा। जायंट्स को मैट पर मुश्किल लग रही थी। हालांकि, यह सब मिनटों में बदल गया, क्योंकि कप्तान चंद्रन रंजीत ने जायंट्स को खेल में वापस लाने के लिए असलम इनामदार और संकेत सावंत ने रेड किया। वापसी के बावजूद पल्टन ने खेल को पहले ऑल आउट कर 15-8 की बढ़त बना ली। ऑल आउट ने जायंट्स, रंजीत और प्रतीक दहिया को न केवल वापसी के लिए प्रेरित किया, बल्कि दिग्गजों को अपने दम पर ऑल आउट करके इसे एक अंक का गेम बना दिया। वहां से, मैच में उतार-चढ़ाव होता रहा और दोनों टीमों के बीच ट्रेडिंग प्वाइंट लगातार बढ़ते रहे। टीमें ब्रेक में चली गईं और पल्टन 22-21 से आगे हो गई। पल्टन की धमाकेदार शुरुआत ने उन्हें शुरुआती बढ़त में आगे रखा। जायंट्स को मैट पर मुश्किल लग रही थी। हालांकि, यह सब मिनटों में बदल गया, क्योंकि कप्तान चंद्रन रंजीत ने जायंट्स को खेल में वापस लाने के लिए असलम इनामदार और संकेत सावंत ने रेड किया। वापसी के बावजूद पल्टन ने खेल को पहले ऑल आउट कर 15-8 की बढ़त बना ली। उन्होंने मनोबल बढ़ाने वाली और महत्वपूर्ण जीत दर्ज करते हुए इसे कभी भी कम नहीं होने दिया। जायंट्स के लिए यह दहिया थे, जिन्होंने 19 अंकों के साथ फिर से अभिनय किया और अपनी टीम के लिए प्रेरक साबित हुए।

वेल्स के कोच पेज का विश्व कप से बाहर होने के बाद भविष्य पर ध्यान

दोहा

वेल्स के कोच रॉबर्ट पेज ने जोर देकर कहा कि मंगलवार रात इंग्लैंड से मिली 3-0 की हार के बावजूद उन्हें अपने खिलाड़ियों पर गर्व है। वेल्स वास्तव में इस मैच में बेहतर नहीं कर पाया। इंग्लैंड ने मार्कस रैशफोर्ड के दो गोल और फिल फोडेन के एक गोल से पेज की टीम को निराशाजनक अंत दिया। पेज ने कहा, यहां तक पहुंचने में वेल्स का शानदार प्रदर्शन रहा है। कोच ने कहा, मैंने कर्मचारियों सहित सभी को बताया कि यहां आना क्या उपलब्धि है और प्रशंसक अद्भुत थे। हम निराश हैं कि शायद हमने वह सब नहीं किया जो हम चाहते थे, लेकिन हमने इसका स्वाद चख लिया है और हम इसका अनुभव करना चाहते हैं। पेज ने स्वीकार किया कि वह इस बात से निराश थे कि इंग्लैंड के तेज-तर्रार गोलों से पहले हाफ से ही उसकी टीम के अच्छे डिफेंस पर पानी फिर गया। उन्होंने कहा, मैंने सोचा था कि इंग्लैंड की एक बहुत अच्छी टीम के खिलाफ पहले हाफ में खिलाड़ी शानदार प्रदर्शन और अनुशासित होंगे, लेकिन हमने दूसरे हाफ में मिनटों के अंदर दो गोल दे दिए। उन्होंने स्वीकार किया, अच्छे काम के बाद खुद को निराश करना निराशाजनक था। इसके बाद उन्होंने एक ऐसी टीम के भविष्य पर चर्चा की जहां गैरेथ बेल, जो एलेन और आरोन राम्से जैसे खिलाड़ी आराम से 30 पार कर चुके हैं, और यदि युवा खिलाड़ी टीम में आएंगे तो अच्छा होगा। पेज ने कहा, सही समय आने पर यह स्वाभाविक रूप से होगा। अच्छी बात यह है कि मार्च में हमारे पास कुछ कठिन यूरोपीय क्वालीफायर मैच हैं और अगर हमें युवा खिलाड़ियों को बढ़ावा देना है, तो हम ऐसा करेंगे।

ऋषभ की फिटनेस पर उठे सवाल

क्राइस्टचर्च । टीम इंडिया के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत न्यूजीलैंड सीरीज में विफल रहे हैं। वह तीयरे एकदिवसीय मैच में भी केवल 10 रन ही बना पाये। वहीं अब उनकी फिटनेस भी संदेह के घेरे में आ गयी है। ऋषभ की एक तस्वीर सामने आई है जिसमें वह चिकित्सा सहायता लेते हुए दिखे। वहीं जब उनसे खराब फार्म पर सवाल किये गये तो वह भड़के गये। उन्होंने वीरेंद्र सहवाग से तुलना पर कहा कि वह अभी केवल 24 साल के हैं और सहवाग के सामने बच्चे हैं। वहीं खराब फार्म को लेकर कई पूर्व क्रिकेटरों ने उन्हें आराम दिये जाने को कहा है। पूर्व कप्तान के श्रीकांत की भी यही राय है। ऑकलैंड में खेले गए पहले मैच में ऋषभ रन नहीं बना पाये जबकि इसी पिच पर श्रेयस अय्यर शुभमन गिल और शिखर धवन ने अर्धशतकीय पारी खेली थीं। उस मैदान पर इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने 23 गेंद पर केवल 15 रन ही बनाये थे। ऋषभ के टेस्ट मैच में जितने अच्छे आंकड़े हैं वह एकदिवसीय और टी20 में नहीं हैं।

फीफा विश्वकप में नोरा के कार्यक्रम से मंत्रमुग्ध हुए लोग

लोपेज और शकीरा के बाद कार्यक्रम पेश करनी वाली तीसरी अदाकारा बनी

दोहा ।

बॉलीवुड अभिनेत्री नोरा फतेही ने बुधवार को फीफा विश्व कप फुटबॉल 2022 में अपने कार्यक्रम से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। नोरा से पहले यहां हॉलीवुड अदाकारा जेनिफर लोपेज और शकीरा ने भी अपने कार्यक्रम पेश किये थे। नोरा भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली एकमात्र अभिनेत्री हैं जिन्होंने विश्वकप इवेंट में अपना कार्यक्रम पेश किया है। इसका एक वीडियो नोरा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर भी साझा किया है। इस वीडियो में उनका गाना बज रहा है ओर वह काफी उत्साहित दिख रही हैं। नोरा यहां कार्यक्रम पेश करने के बाद से ही उत्साहित हैं। इस अदाकारा का फीफा विश्व में कार्यक्रम पेश करने का एक वीडियो सामने आया है। नोरा को अपने शानदार प्रदर्शन से मंच पर आग लगाते हुए देखा जा सकता है। नोरा ने कुछ बैकग्राउंड डांसर्स के साथ कार्यक्रम पेश किया है। इस दौरान शिमरी आउटफिट में बेहद ग्लैमरस नजर आयीं। इस दौरान नोरा ने कई गानों पर डांस किया जिसमें बॉलीवुड नंबर और आधिकारिक फीफा विश्व कप एंथम 'लाइट द स्काई' शामिल थे। इस वीडियो के वायरल होने से पहले नोरा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक अपना एक वीडियो भी साझा किया। इस वीडियो में वह आधिकारिक फीफा विश्व कप एंथम 'लाइट द स्काई' की धुन पर नाचते हुए दिखीं। नोरा ने इस वीडियो के साथ खुशी जाहिर करते हुए एक नोट भी लिखा है जिसमें उन्होंने अपने प्रशंसकों को बताया कि जब उन्होंने विश्व कप स्टेडियम में अपनी आवाज सुनी तो वह एक सपने की तरह लग रहा था। उन्होंने लिखा वह क्षण जब आप स्टेडियम में फीफा विश्व कप में अपनी आवाज सुनते हैं। यह एक सपने की तरह होता है। नोरा ने आगे लिखा इस तरह के माइल्स स्टोन जर्नी आपको लायक बनाते हैं। मैंने हमेशा इस तरह के पलों की कल्पना की थी मैं उन सपनों को जीवंत करने का एक सपने देखने वाली हूं।

भारत के ध्रुव, उन्नति और अनमोल एशिया जूनियर चैंपियनशिप के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली, युवा भारतीय शटलर ध्रुव नेगी, उन्नति हुड्डा और अनमोल खर्ब ने बुधवार को थाईलैंड के नोंथबुरी में जीत दर्ज करने के बाद बैडमिंटन एशिया अंडर-17 और अंडर-15 जूनियर चैंपियनशिप 2022 के एकल प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। उत्तराखंड के रहने वाले पांचवें वरीय ध्रुव ने पुरुष वर्ग में थाईलैंड के पन्या फुत्तिफाइसाकुल को 21-14, 17-21, 21-15 से हराया, जबकि महिला वर्ग में शीर्ष वरीयता प्राप्त उन्नति और अनमोल को आसानी से जीत मिली।उन्नति ने इंडोनेशियाई शटलर डिया नूर फडिला के खिलाफ 21-7, 21-11 से मैच अपने नाम किया। हरियाणा में जन्मे अनमोल ने भी थाईलैंड के रत्नाचा सोमपोच पर 21-12, 21-19 से जीत दर्ज की। नीर नेहवाल अंडर-17 कैटेगरी में हारने वाले इकलौते भारतीय शटलर थे। नीर नेहवाल पुरुष एकल के 32वें दौर के कठिन मुकाबले में जापान के काजुमा कवानो से 21-11, 9-21, 19-21 से हार गए। अंडर-15 एकल में, मोहम्मद अली मीर, इशिता नेगी और तीन अन्य भारतीयों ने टूर्नामेंट के दूसरे दिन राउंड आफ-32 में प्रवेश किया। मोहम्मद अली और ज्ञान दत्तू ने पुरुष वर्ग में थाईलैंड के परमत पुमलेंग और हांगकांग के चेउंग साई शिंग के खिलाफ क्रमशः 21-16, 21-18 और 21-11, 21-13 से आसान सीधे गेमों में जीत हासिल की। दूसरी ओर, अनीश थोप्पानी ने दूसरा गेम गंवाने के बाद समय पर वापसी करते हुए इंडोनेशिया के नौवें वरीय महरिशील गेन के खिलाफ 21-14, 18-21, 23-21 से मैच अपने पक्ष में कर लिया। महिलाओं में पांचवीं वरीयता प्राप्त इशिता ने थाईलैंड की लाडा ना नाकोर्न को 21-9, 21-12 से मात दी, जबकि संप्रीति पाल ने जापान की रिया हागा को 21-16, 21-16 से हराया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

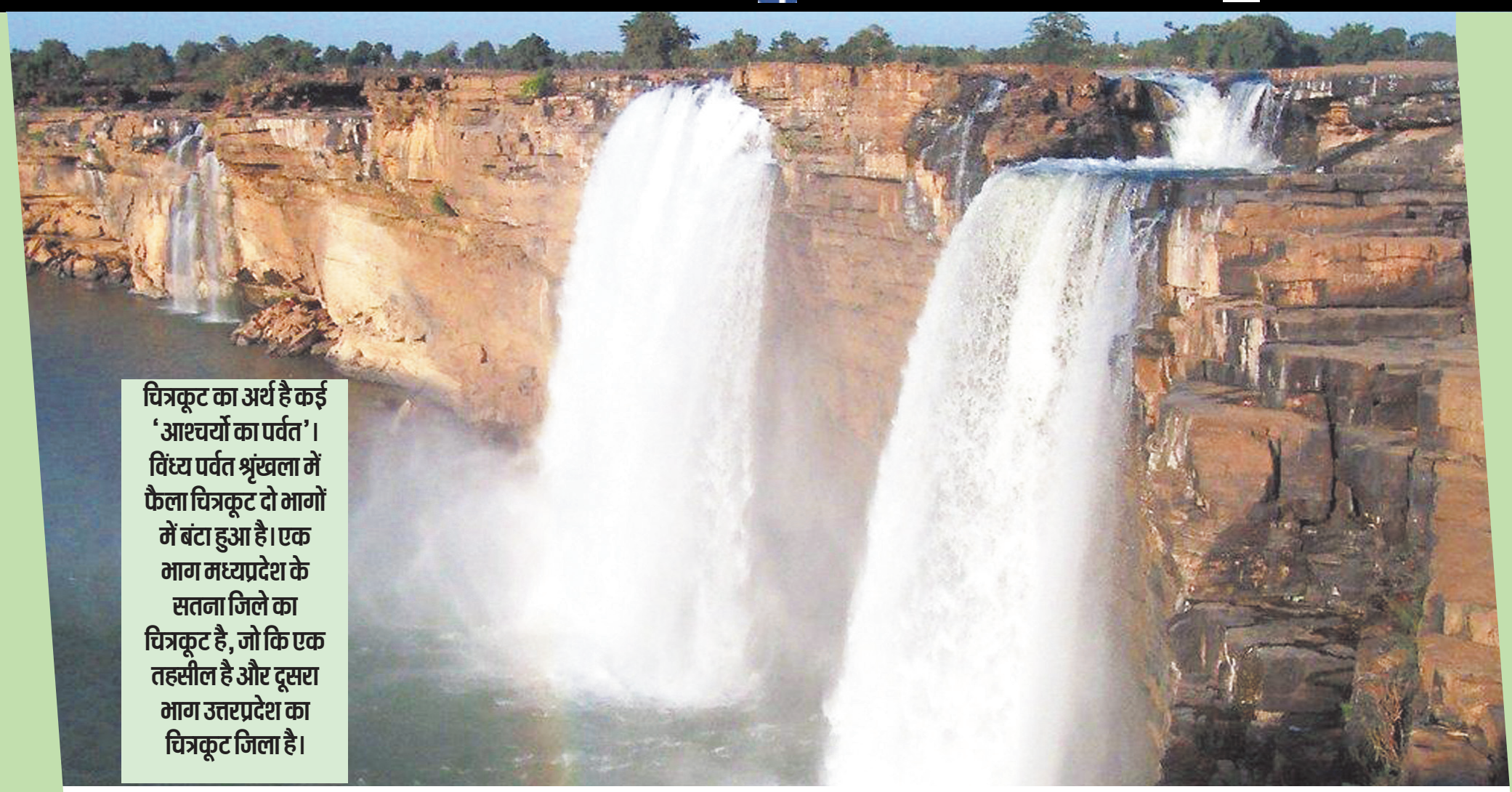

चित्रकूट का अर्थ है कई 'आश्चर्यो का पर्वत'। विंध्य पर्वत श्रृंखला में फैला चित्रकूट दो भागों में बंटा हुआ है। एक भाग मध्यप्रदेश के सतना जिले का चित्रकूट है, जो कि एक तहसील है और दूसरा भाग उत्तरप्रदेश का चित्रकूट जिला है।

एक भाग मध्यप्रदेश के सतना जिले का चित्रकूट है जो कि एक तहसील है और दूसरा भाग उत्तरप्रदेश का चित्रकूट जिला है। महर्षि वाल्मीकि रचित रामायण के अनुसार भगवान श्रीराम ने अपनी पत्नी सीता और भाई लक्ष्मण के साथ अपने चौदह वर्ष के वनवास में से साढ़े ग्यारह वर्ष का समय यहां पर व्यतीत किया था।

श्रीरामजी की भूमि चित्रकूट

भारत में कई ऐसे स्थान हैं, जो कि ऐतिहासिक होने के साथ ही साथ धार्मिक रूप से भी महत्वपूर्ण हैं। ऐसे ही स्थानों में से एक चित्रकूट है, भगवान श्रीराम का वनवास स्थल। चित्रकूट का अर्थ है 'कई आष्चर्यो का पर्वत'। विंध्य पर्वत श्रृंखला में फैला चित्रकूट दो भागों में बंटा हुआ है। एक भाग मध्यप्रदेश के सतना जिले का चित्रकूट है जो कि एक तहसील है और दूसरा भाग उत्तरप्रदेश का चित्रकूट जिला है। महर्षि वाल्मीकि रचित रामायण के अनुसार भगवान श्रीराम ने अपनी पत्नी सीता और भाई लक्ष्मण के साथ अपने चौदह वर्ष के वनवास में से साढ़े ग्यारह वर्ष का समय यहां पर व्यतीत किया था। इसी कारण से चित्रकूट पर्यटन स्थल होने के साथ ही साथ एक आध्यामिक महत्व भी रखता है, एक ऐसा स्थान जहां के कण-कण में श्रीराम बसते हैं। इसके साथ ही चित्रकूट कई महान ऋषियों की कर्मभूमि भी रही है, जैसे, अत्रि, सती अनुसूया, दत्तात्रेय, मार्कण्डेय, सरभंग, सुतीक्ष्ण। इसके साथ ही चित्रकूट रामचरितमानस के रचियता संत तुलसीदास की जन्मभूमि भी रही है, जिनका जन्म चित्रकूट के राजापुर नामक गांव में हुआ था। संत तुलसीदास द्वारा लिखित रामचरितमानस आज भी उनके वंशजों के पास यहां सुरक्षित रखी है।

क्या देखें

वैसे तो पूरा चित्रकूट ही घूमने लायक हैं, लेकिन अगर आप चित्रकूट जा रहे हैं, तो किस भी हालत में इन स्थानों पर जाना न भूलें।

रामघाट

अगर आप चित्रकूट जा रहे हैं, तो रामघाट में स्नान करना न भूलें, जिसके लिये यह माना जाता है कि अपने वनवास के दौरान चित्रकूट आने पर इसी स्थान पर श्रीराम, सीता और लक्ष्मण ने मंदाकिनी नदी में स्नान किया था। साथ ही ऐसा भी माना जाता है कि चित्रकूट के इसी घाट पर बैठकर संत तुलसीदास ने भगवान राम से चंदन लगवाया था, और फिर हनुमान ने उनका परिचय देते हुए कहा था कि :

चित्रकूट के घाट में भई संतन की भीर।
तुलसीदास चंदन घिसै तिलक देत रघुवीर।।

रामघाट के पास कुछ अन्य महत्वपूर्ण स्थान भी हैं, जैसे कि, राघव प्रयाग घाट, मतगजेंद्रेष्वर स्वामी, पाम कुटी और यज्ञ वेदी।

कामदगिरि

कामदगिरि चित्रकूट का मुख्य दर्शनीय स्थल है। कामदगिरि एक संस्कृत शब्द है, जिसका अर्थ है 'सभी इच्छाओं से परिपूर्ण पर्वत'। ऐसा माना जाता है कि वनवास के दौरान राम, सीता और लक्ष्मण इसी पर्वत पर रहते थें। कामदगिरि और चित्रकूट के भगवान कामतानाथ का मंदिर भी यहीं स्थित है, जहां से कामदगिरि की 5 किलोमीटर लंबी परिक्रमा आरंभ होती है। परिक्रमा के इस पथ का निर्माण सन् 1725 में बुंदेल के महाराज छत्रसाल की पत्नी रानी प्रताप कुंवारी द्वारा करवाया गया था। परिक्रमा पथ के दौरान कई अन्य मंदिर भी स्थित हैं, जैसे, भारत मिलाप जहां पर भरत की मुलाकात राम, सीता और लक्ष्मण से हुई थी।

मठगजेंद्रेश्वर स्वामी : यह मंदिर रामघाट पर स्थित है। पुराणों के अनुसार इस स्थान पर सतयुग में भगवान ब्रह्मा ने तपस्या की थी और फिर शिवलिंग की स्थापना की थी। यहां पर मंदिर की स्थापना पन्ना के महाराज अमन सिंह के द्वारा की गई थी।

जानकी कुंड

जानकी का अर्थ है राजा जनक की पुत्री अर्थात् सीता। ऐसा माना जाता है कि वनवास के दौरान सीता जी इस कुंड का प्रयोग स्नानागार के रूप में करती थी। जानकी कुंड के आसपास कई चैरिटेबल संस्थाएं स्थित है, जैसे कि जानकी कुंड नेत्र चिकित्सालय, ब्लाइंड स्कूल आदि।

अत्रि-अनुसूया आश्रम

यह आश्रम रामघाट से 15 कि.मी. की दूरी पर स्थित है। ऐसा माना जाता है कि सती अनुसूया ऋषि अत्रि के साथ यहीं रहती थी और इसी आश्रम में उन्होंने त्रिदेवों को बालकों के रूप में परिवर्तित कर दिया था। इसी आश्रम के पास परमहंस आश्रम भी स्थित है।

हनुमान धारा

हनुमान धारा रामघाट से पूर्व की ओर 4 किमी की दूरी पर विंध्य के आरंभ पर स्थित एक अत्यंत रमणीय स्थल है। ऐसा माना जाता है कि लंका दहन करने के कारण अयोध्या लौटने तक हनुमान जी के शरीर में जलन हो रही थी। भगवान राम को अपनी यह समस्या बताने पर उन्होंने उन्हें चित्रकूट के इस पर्वत पर जाने के लिये कहा और यह भी कहा कि यहां पर उनपर ठंडे जल की एक धारा प्रवाहित होगी, जिस कारण से उनकी जलन समाप्त हो जाएगी। आज भी हनुमान जी की मूर्ति पर यह धारा प्रवाहित होती है और उसके बाद कहां अदृष्य हो जाती है, यह पूर्णत : रहस्य है।

गुप्त गोदावरी : चित्रकूट के दक्षिण-पष्चिम में करीब 18 कि.मी. की दूरी पर एक पहाड़ पर स्थित यह स्थान अत्यंत रमणीय ओर रहस्यमय है। गुप्त गोदावरी का आष्चर्य यहां पर स्थित दो गुफाएं हैं।

रामशय्या

सीतापुर से चलने पर भरत कूप से पहले एक और दिव्य स्थल है, जिसे रामशय्या कहते हैं। इस स्थान को परिक्रमा मार्ग से भी देखा जा सकता है। यह एक चट्टान है, जिसके लिये यह माना जाता है कि वनवास के दौरान राम और सीता इस चट्टान पर आराम करते थे।

एक बड़ी सी शिला पर दो चिन्ह भी बने हुए हैं, जिनका निर्माण राम और सीता के लेटने के कारण हुआ था। इनके अतिरिक्त भी चित्रकूट और इसके आसपास के क्षेत्र में कई दर्शनीय स्थल हैं, जैसे कि, राघव-प्रयाग घाट, यज्ञ वेदी, स्फटिक शिला, मयूरध्वज आश्रम, लक्ष्मण चौकी, वाल्मीकि आश्रम, भरत कूप, लक्ष्मण पहाड़ी, सुतीक्ष्ण आश्रम, गणेश बाग, कालिंजर दुर्ग आदि।

कैसे पहुंचे

सड़क द्वारा : मध्यप्रदेश से चित्रकूटके लिये रीवा, सतना, पन्ना, मैहर, सागर, छतरपुर आदि स्थानों से और उत्तरप्रदेश से मिर्शापुर, इलाहाबाद, बांदा, कानपुर, लखनऊ, महोबा, अतरा, नरैनी, झांसी से निरंतर बस सेवाएं उपलब्ध रहती है।

रेल द्वारा : निकटतम रेलवे स्टेषन चित्रकूट धाम कर्वी है, शो कि मानिकपुर-झांसी रेलवे लाइन में स्थित है।

वायुयान द्वारा : चित्रकूट के लिये निकटतम एयरपोर्ट खजुराहो है, जो कि चित्रकूट से 175 कि.मी. की दूरी पर स्थित है।

आइस स्कीइंग के लिए मशहूर

खूबसूरत औली

बद्रीनाथ धाम के निकट नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान के पास स्थित है गढ़वाल का मशहूर औली क्षेत्र। यहां पर घने जंगलों के साथ ही खूबसूरत पहाड़ तथा मखमली घासों से ढंके हुए मैदान फैले हुए हैं। देश का सबसे नया आइसस्कीइंग केंद्र भी यहीं पर मौजूद है। यहां पर आप बर्फ पर फिसलने का भरपूर आनंद उठा सकते हैं। बर्फ की चादरों से ढंकी यहां की खूबसूरत ढलानें एशिया की खूबसूरत ढलानों में भी गिनी जाती हैं। यहां से आप नंदा देवी, हाथी गौरी पर्वत, ऐरावत पर्वत तथा नीलकंठ पर्वत का नजारा भी बखूबी देख सकते हैं।

सबसे पहले भारत-तिब्बत सीमा पुलिस ने इसे आइसस्कीइंग खेल मैदान के रूप में तलाशा था फिर गढ़वाल मंडल विकास निगम ने स्कीइंग को बढ़ावा देने की मंशा से यहां स्कीइंग केंद्र की स्थापना की। यहां पर रोपवे भी है जोकि औली के आकर्षण में अनूठा साबित हुआ है। रोपवे की रोमांचक यात्रा सैलानियों को आनंदविभोर कर देती है। जब पर्यटक इसमें बैठकर जंगल, खेत और गांवों के ऊपर से गुजरते हैं, तो उनका मन झूम उठता है। दर्शनीय स्थलों की बात करें तो आप सबसे पहले गुरसौं बुग्याल देखने जा सकते हैं। ओक और कोनिफर के जंगलों से घिरा हुआ और खूबसूरती से भरापूरा यह मैदान सैंकड़ों मीलों तक फैला हुआ है। औली से तीन किलोमीटर की दूरी पर स्थित गुरसौं बुग्याल में गर्मियों के मौसम में असंख्य फूल भी खिलते हैं।

आप क्वांरी बुग्याल भी घूमने जा सकते हैं। यह एक मनोरम स्थल है। यहां पर दूर-दूर तक फैली हुई खूबसूरत ढलानें देखते ही बनती हैं। इन ढलानों पर ट्रैकिंग का आनंद भी लिया जा सकता है। जोशीमठ भी औली के सर्वश्रेष्ठ दर्शनीय स्थलों में शुमार है। औली से लगभग 12 किलोमीटर दूर स्थित जोशीमठ में आप मठों, स्मारकों के दर्शन कर सकते हैं। यहां पर ऐतिहासिक, सांस्कृतिक तथा पौराणिक महत्व के कई सारे मठ व मंदिर मौजूद हैं साथ ही आप यहां पर्वतारोहण भी कर सकते हैं। इस स्थान की सबसे खास बात यह है कि इसे बदरीनाथ और फूलों की घाटी का प्रवेशद्वार भी माना जाता है।

सेलधार तपोवन को देखने का अपना अलग ही मजा है। क्योंकि यहां पर गरम पानी के अनेक सोते हैं, जिन्हें देखते ही बनता है। यहां पर आप अधिक उबलते गरम पानी के फव्वारे और सोते को देख कर दंग रह जाएंगे। इसी प्रकार चिनाब झील भी देखी जा सकती है। यह झील प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर जगह जोशीमठ के पास स्थित है। लेकिन कठिन चढ़ाई होने के कारण अभी इस स्थल का पर्याप्त विकास नहीं हो सका है।

वंशीनारायण कल्पेश्वर भी देखने योग्य जगह है, खासकर गर्मियों में। क्योंकि गर्मियों में यह पूरी घाटी फूलों से ढंकी हुई नजर आती है। इस मनोरम दृश्य को देखकर सभी पर्यटक आकर्षित हुए बिना नहीं रहते। यदि आप औली की यात्रा करने का मन बना चुके हैं तो आपको बता दें कि यहां तक आपको सीधी रेल सेवा नहीं मिल पाएगी। यहां से निकटतम रेलवे स्टेशन ऋषिकेश है। आप ऋषिकेश स्टेशन से औली के लिए बस ले सकते हैं। ऋषिकेश से औली लगभग 253 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

चाहें तो ऋषिकेश से जोशीमठ तक के लिए बसों तथा टैक्सियों व जीपों का भी प्रयोग कर सकते हैं और जोशीमठ से औली तक की यात्रा रोपवे से भी तय कर सकते हैं। जहां तक बात यहां पर ठहरने की है, तो आपको बता दें कि औली में आपको गढ़वाल मंडल विकास निगम द्वारा बनवाए गए हट्स और फाइबर हट्स में रहने की सुविधा आराम से मिल सकती है।

अफगानिस्तान के ऐबक शहर के धार्मिक स्कूल में विस्फोट, 15 लोगों की गयी जान, 27 घायल

काबुल। स्थानीय टेलीविजन चैनल टोलोन्यूज ने बताया कि बुधवार को अफगानिस्तान के समांगन प्रांत के मध्य में स्थित ऐबक शहर में एक विस्फोट में कम से कम 15 लोग मारे गए और 27 अन्य घायल हो गए। तालिबान के एक अधिकारी ने कहा कि उत्तरी अफगानिस्तान में एक धार्मिक स्कूल में हुए बम विस्फोट में कम से कम 10 छात्रों की मौत हो गई। आंतरिक मंत्रालय के प्रवक्ता अब्दुल नफी ताकोर ने कहा कि उत्तरी समांगन प्रांत की राजधानी ऐबक में हुए विस्फोट में कई अन्य घायल हो गए ।सामंगन प्रांतीय राजधानी के एक अस्पताल के एक डॉक्टर ने नाम न बताने की शर्त पर एएफपी को बताया, 'ये सभी बच्चे और आम लोग हैं।'

पाकिस्तान मेंआत्मघाती हमला, तीन लोगों की मौत, 23 घायल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में पोलियो टीम की सुरक्षा के लिए जा रहे पुलिस कर्मियों के ट्रक को निशाना बनाकर बुधवार को किए गए आत्मघाती हमले में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि 23 अन्य घायल हो गए। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घायलों में 20 सुरक्षा कर्मी भी शामिल हैं। अधिकारी के मुताबिक, यह आत्मघाती हमला तब हुआ, जब पोलिया टीकाकरण अभियान में शामिल कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए तैनात पुलिस कर्मियों को ले जा रहा ट्रक क्वेटा के बलेली इलाके से गुजर रहा था। 'डॉन' अखबार ने क्वेटा के पुलिस उपमहानिरीक्षक गुलाम अजफर महेसर के हवाले से बताया, 'हमला पुलिस ट्रक के पास हुआ, जिसके असर से पोलियो ड्यूटी में तैनात स्टाफ को सुरक्षा प्रदान करने जा रहे पुलिस कर्मियों का वाहन पलटकर खाई में गिर गया।' घटनास्थल पर संवाददाताओं से बातचीत में महेसर ने कहा, 'अपराध स्थल के मंजर से और यह देखते हुए कि ट्रक पलट गया, अनुमान है कि हमले में 25 किलोग्राम विस्फोटक का इस्तेमाल किया गया होगा।' धमाके की चपेट में कुल तीन वाहन आए। उन्होंने कहा कि यह हमला एक आत्मघाती हमला था, क्योंकि मौके से एक आत्मघाती हमलावर के अवशेष बरामद हुए हैं और कम से कम तीन वाहन इसकी चपेट में आए। महेसर के मुताबिक, हमले में लगभग 20 पुलिस कर्मी और तीन नागरिक घायल हुए हैं। उन्होंने बताया कि घायल पुलिस कर्मियों में से दो की हालत गंभीर है। 'जियो न्यूज' के अनुसार, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस लक्षित हमले की निंदा करते हुए घटना की त्वरित जांच के निर्देश दिए हैं। प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने इस हमले की जिम्मेदारी है। टीटीपी ने दो दिन पहले ही सरकार के साथ संघर्ष-विराम को वापस लेते हुए अपने लड़ाकों से देशभर में हमले करने का आह्वान किया था। टीटीपी ने कहा कि यह हमला अगस्त में अफगानिस्तान में अब्दुल वली उर्फ उमर खालिद खुरासनी की हत्या के प्रतिशोध में किया गया है।

फांसी की सजा पर रोक लगे : मानवाधिकार समूह

वाशिंगटन। सऊदी अरब में हाल में दी गई फांसी के बाद संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों और मानवाधिकार समूहों ने इस देश में मौत की सजा को समाप्त करने की मांग की है। मानवाधिकार कार्यकर्ता विशेष रूप से नशीली दवाओं से संबंधित अपराधों के लिए फांसी को फिर से शुरू करने के सऊदी फैसले से चिंतित है, इसे 'गहरा अफसोसजनक कदम' बताया। उन्होंने याद दिलाया कि संयुक्त राष्ट्र महासभा में दुनिया भर में मौत की सजा पर रोक लगाने के लिए देशों के व्यापक सहमति के कुछ दिनों बाद ही नशीली दवाओं और अन्य आरोपों पर यह फिर शुरु हो गया। मानवाधिकार के उच्चायुक्त (संरा) कार्यालय के एक प्रवक्ता ने कहा कि नशीली दवाओं के अपराधों के लिए मौत की सजा देना 'अंतरराष्ट्रीय मानदंडों और मानकों के साथ असंगत' है। सऊदी अरब में 10 नवंबर से अब तक ड्रग के आरोप में मारे गए 17 लोगों को मौत की सजा दी गयी जिनमें तीन पाकिस्तानी थे। इन तीन में से आखिरी मन्नत खान का बेटा गुलजार खान था, जिसकी फांसी की पुष्टि 22 नवंबर को यूएन ऑफ़िस ऑफ़ द हाई कमिश्नर फॉर ह्यूमन राइट्स (ओएचसीएचआर) ने की थी। उसे हेरोइन की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। ओएचसीएचआर के एक प्रवक्ता एलिजाबेथ थ्रॉसेल ने कहा कि इस महीने की शुरुआत से सऊदी अरब में मौत की सजा लगभग रोजाना हो रही है, जब सऊदी अधिकारियों ने नशीली दवाओं से संबंधित अपराधों के लिए मौत की सजा के उपयोग पर 21 महीने की अनौपचारिक रोक को समाप्त कर दिया। जिन लोगों को आज तक मौत की सजा दी गई उनमें तीन पाकिस्तानियों के अलावा चार सीरियाई, तीन जॉर्डन और सात सउदी नागरिक शामिल है। कार्यालय के पास इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि कितने लोग मौत की सजायाफ्ता थे क्यूंकि सऊदी अरब में फांसी होने के बाद इनकी पुष्टि होती है। पाकिस्तान ने हालांकि कभी भी इस तरह की फांसी का विरोध नहीं किया है। यह देखते हुए कि नशीली दवाओं से संबंधित अपराधों के लिए इन पाकिस्तानी नागरिकों की फांसी देश के मानवाधिकार आयोग द्वारा जनवरी 2021 में नशीली दवाओं से संबंधित अपराधों के लिए मौत की सजा पर रोक लगाने की घोषणा के बाद पहली बार हुई थी, एमनेस्टी इंटरनेशनल (एआई) ने इन फांसी पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की और इसे 'जीवन के अधिकार पर कठोर हमला' करार दिया। मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका के लिए एआई के कार्यवाहक उप निदेशक डायना सेमन ने कहा, 'देश में मौत की सजा में वृद्धि सऊदी अधिकारियों के तथाकथित प्रगतिशील सुधार एजेंडे के पीछे छिपे असली चेहरे को उजागर करती है।'

चीन के पूर्व राष्ट्रपति जियांग जेमिन का 96 साल की उम्र में निधन

बीजिंग । चीनी राज्य मीडिया ने बताया कि पूर्व चीनी राष्ट्रपति जियांग जेमिन का बुधवार को 96 वर्ष की आयु में ल्यूकेमिया से निधन हो गया। दोपहर 12:13 बजे शंघाई के अपने गृह शहर में जियांग की मौत हो गई। आधिकारिक शिन्हुआ समाचार एजेंसी ने कहा, सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी, संसद, कैबिनेट और सेना द्वारा मौत की घोषणा करते हुए चीनी लोगों को एक पत्र प्रकाशित किया। इसमें कहा गया कि कॉमरेड जियांग जेमिन की मौत हमारी पार्टी और हमारी सेना और हमारे सभी जातीय समूहों के लोगों के लिए एक अपूरणीय क्षति है। इसने 'हमारे प्रिय कॉमरेड जियांग जेमिन' को उच्च प्रतिष्ठा के एक उत्कृष्ट नेता, एक महान मार्क्सवादी, राजनेता, सैन्य रणनीतिकार और राजनयिक और एक लंबे समय से परीक्षण किए गए कम्युनिस्ट सेनानी के रूप में वर्णित किया। 1989 में लोकतंत्र समर्थक प्रदर्शनकारियों पर खूनी तियानमेन की कार्रवाई के बाद जियांग को अस्पष्टता से हटाकर चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी का प्रमुख बना दिया गया था।

एप्पल ने ट्विटर को ऐप स्टोर से बंद करने की धमकी दी : एलन मस्क

सैन फ्रांसिस्को। एप्पल ने अपने ऐप स्टोर से माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म ट्विटर को रोकने की धमकी दी है। यह बात ट्विटर के सीईओ एलन मस्क ने बताई। मस्क का आरोप सोमवार देर रात ट्वीट करने के कुछ ही समय बाद आया कि एप्पल ने एक सर्वेक्षण के बाद ट्विटर पर ज्यादातर विज्ञापन बंद कर दिया है, जिसमें उपयोगकताओं से पूछा गया था कि क्या आईफोन निर्माता को उन सभी सेंशरशिप कार्यों को प्रकाशित करना चाहिए, जो उसके ग्राहकों को प्रभावित करते है। ट्वीट्स की एक श्रृंखला में मस्क ने कहा, 'एप्पल ने भी अपने ऐप स्टोर से ट्विटर को वापस लेने की धमकी दी है, लेकिन हमें यह नहीं बताएगा कि क्यों।' क्या आप जानते हैं कि एप्पल अपने ऐप स्टोर के माध्यम से आपके द्वारा खरीदी जाने वाली हर चीज पर 30 प्रतिशत गुप्त कर लगाता है?' कई यूजर्स ने मस्क के दावे पर अपने विचार व्यक्त किए। एक उपयोगकर्ता ने टिप्पणी की, 'एप्पल अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का समर्थन नहीं करता है।' दूसरे ने कहा, 'क्योंकि आप चरमपंथी सामग्री को मॉडरेट करने के नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं।' इस बीच योएल रोथ, जिन्होंने इस महीने की शुरुआत में ट्रस्ट और सुरक्षा के प्रमुख के रूप में ट्विटर छोड़ दिया, ने कहा कि मस्क ने अपने आवेगी परिवर्तनों और प्लेटफॉर्म नियमों के बारे में ट्वीट-लंबाई की घोषणाओं के माध्यम से वैधता की कमी को समाप्त कर दिया, ट्विटर अब एप्पल और गूगलएप स्टोर दोनों द्वारा एक करीबी जांच का सामना कर रहा है। सोशल मीडिया पर आरआईपीटी ट्विटर ट्रेंडिंग के बीच न्यूयॉर्क टाइम्स के एक लेख में रोथ ने कहा कि, 'ट्विटर को अपने नए मालिक के लक्ष्यों को एप्पल और गूगल के इंटरनेट पर जीवन की व्यावहारिक वास्तविकताओं के खिलाफ संतुलित करना होगा, जो कर्मचारियों के लिए कोई आसान काम नहीं है।'

चीन ने अमेरिका को दी चेतावनी, भारत के साथ हमारे रिश्तों पर न दें दखल

बीजिंग (एजेंसी)। चीन और अमेरिका के बीच की तल्खी किसी से छुपी नहीं है। कभी ताइवान को लेकर तो कभी उसकी विस्तारवादी नीति को लेकर हमेशा से चीन व्हाइट हाउस के निशाने पर रहा है। वहीं बीजिंग की तरफ से भी अमेरिका को लगातार धमकी दी जाती रही है। लेकिन अब भारत को लेकर चीन ने अमेरिका को सीधी चेतावनी दे दी है। चीन ने अमेरिका को भारत के साथ अपने रिश्तों को लेकर दखल न देने की चेतावनी दी है। पेंटागन ने कांग्रेस को भेजी एक रिपोर्ट में कहा है कि चीन ने अमेरिकी अधिकारियों को भारत के साथ उसके संबंधों में दखलअंदाजी नहीं करने की चेतावनी दी है।

पेंटागन ने एक रिपोर्ट में कहा कि वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भारत के साथ अपने गतिरोध के दौरान, चीनी अधिकारियों ने संकट की गंभीरता को कम करने की कोशिश की, सीमा की स्थिरता को बनाए रखने और भारत के साथ अपने द्विपक्षीय संबंधों के अन्य क्षेत्रों को नुकसान पहुँचाने से गतिरोध को रोकने के बीजिंग के इरादे पर जोर दिया। पीआरसी (पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना) भारत को संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ अधिक निकटता से भागीदार बनाने के लिए सीमा तनाव को रोकने का प्रयास करता है। पेंटागन ने चीनी सैन्य निर्माण पर कांग्रेस को अपनी नवीनतम रिपोर्ट में कहा, पीआरसी अधिकारियों ने अमेरिकी अधिकारियों को भारत के साथ पीआरसी के संबंधों में हस्तक्षेप नहीं करने की चेतावनी दी है।

पेंटागन ने कहा कि 2021 के दौरान, पीएलए ने बलों की तैनाती को बनाए रखा और एलएसी के साथ बुनियादी ढांचे का निर्माण जारी रखा। वार्ता में न्यूनतम प्रगति हुई क्योंकि दोनों पक्ष सीमा पर कथित लाभ खोने का विरोध करते हैं। मई 2020 की शुरुआत में, चीनी और भारतीय सेना एलएसी के साथ कई स्थानों पर कंटीले तारों में लिपटे चट्टानों, डंडों और क्लबों के साथ संघर्ष में आमने-सामने थीं। परिणामी गतिरोध ने सीमा के दोनों ओर बलों के निर्माण को गति दी।

अंतरिक्ष में पहली बार एकत्रित हुए चीन के छह अंतरिक्ष यात्री

बीजिंग । चीन के निर्माणाधीन अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंचने वाले एक अंतरिक्ष यान में सवार तीन अंतरिक्ष यात्रियों ने बुधवार को वहां मौजूद अपने तीन सहकर्मियों से मुलाकात की। इसके साथ ही अंतरिक्ष में पहली बार देश के छह अंतरिक्ष यात्री इकट्ठा हुआ। चीन ने मंगलवार रात अपने निर्माणाधीन अंतरिक्ष स्टेशन के लिए एक अंतरिक्ष यान के जरिये तीन अंतरिक्ष यात्रियों-फी जुनलॉन्ग, डेंग किंगमिंग और झांग लू को रवाना किया था। चाइना मैन्ड स्पेस एजेंसी (सीएमएसए) के अनुसार, शेनझोउ-15 अंतरिक्ष यान को उत्तर-पश्चिमी चीन स्थित जियुक्वान उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र से प्रक्षेपित किया गया। सरकारी शिन्हुआ समाचार एजेंसी की खबर के मुताबिक, अंतरिक्ष स्टेशन पर मौजूद तीन लोगों ने तीन नए क्रू सदस्यों का गले लगाकर स्वागत किया। उन्होंने एक सामूहिक तस्वीर भी खींची। ये छह अंतरिक्ष यात्री निर्धारित कार्यों के लिए करीब पांच दिन एक साथ मिलकर काम करेंगे। इसके बाद अंतरिक्ष स्टेशन में छह महीने तक रहने वाले पहले के तीन यात्री पृथ्वी पर लौट आएंगे। चीन और अमेरिका के साथ कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच बीजिंग के इस साल के अंत तक अपने अंतरिक्ष स्टेशन का निर्माण पूरा करने की उम्मीद है। निर्माण पूरा होने के बाद चीन अपना खुद का अंतरिक्ष स्टेशन रखने वाला एकमात्र देश होगा, क्योंकि रूस का अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) कई देशों की भागीदारी वाला एक प्रोजेक्ट है।

राजदूत संधू ने भारत-अमेरिका व चाय के साथ गहरे संबंध पर दिया दिलचस्प बयान

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू ने भारत और अमेरिका के संबंधों बारे एक दिलचस्प बयान में कहा कि दोनों देशों का चाय के साथ गहरा नाता रहा है और दोनों लोकतांत्रिक देशों के लोगों का इस पेय को लेकर समान प्रेम रहा है। यहां भारतीय दूतावास में मंगलवार को चाय प्रेमियों को समर्पित एक कार्यक्रम में संधू ने भारतीय लोगों के लिए चाय के महत्व और अमेरिकी क्रांति से इसके संबंध की चर्चा की।

संधू ने कहा ''भारत और अमेरिका का चाय के साथ लंबा नाता रहा है। आखिरकार, अमेरिकी क्रांति को चिंगारी देने वाली 'बोस्टन टी पार्टी' का आयोजन चाय पर औपनिवेशिक करों का विरोध करने के लिए ही तो किया गया था। चाय का संबंध ईस्ट इंडिया कंपनी और हमारे अपने स्वतंत्रता संग्राम से भी है।' सर्दियों के मौसम के शुरू होने पर भारतीय दूतावास ने 'जनम टी' के सहयोग से इस आयोजन के दौरान भारतीय चाय के लजीज जायके और शैलियों के बारे में एक सूचनात्मक संवाद प्रस्तुत किया। इस बातचीत का नेतृत्व 'जनम टी' की एमी दुबिन-नाथ ने किया।

संधू ने अपनी टिप्पणी में कहा, ''आज, हम चाय के लिए साझा प्यार और कॉफी के साथ थोड़ी सी स्वस्थ प्रतिद्वंद्विता को रखते हैं। बहुत कुछ हो सकता है, न केवल कॉफी पर, बल्कि चाय पर भी। हालांकि भारत में हम कॉफी की तुलना में 15 गुना अधिक चाय का सेवन करते हैं।' उन्होंने चाय प्रेमियों से कहा, '' आप में से कई लोग पहले से ही सर्वोत्कृष्ट मसाला चाय के माध्यम से भारतीय चाय से अवगत हैं।' अपनी प्रस्तुति में दुबिन-नाथ ने भारत के विभिन्न हिस्सों से भारतीय चाय की किस्मों का विवरण दिया।

सरकार विरोधी मिलिशिया 'ओथ कीपर्स' के संस्थापक स्टीवर्ट रोड्स को राष्ट्रपति बाइडन के चुनावी परिणाम को पलटने के लिए देशद्रोह का दोषी करार

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका की सरकार विरोधी मिलिशिया 'ओथ कीपर्स' के संस्थापक स्टीवर्ट रोड्स को राष्ट्रपति जो बाइडन के चुनावी परिणाम को पलटने के लिए देशद्रोही साजिश रचने का मंगलवार को दोषी करार दिया गया। यह छह जनवरी 2021 को अमेरिकी संसद भवन परिसर में हुए विद्रोह की जांच में न्याय विभाग की बड़ी जीत है। वाशिंगटन डीसी की एक जूरी ने करीब दो महीने तक चले मुकदमे में रोड्स को देशद्रोह का दोषी ठहराया। रोड्स को षडयंत्र के दो अन्य आरोपों से बरी कर दिया गया था।

यह फैसला न्याय विभाग के लिए काफी अहम है और इससे अभियोजकों का राजद्रोह के अन्य चरमपंथी आरोपियों के आगामी मुकदमों में पूरे जोरशोर से आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त होगा। ओथ कीपर्स के फ्लोरिडा अध्याय के नेता केली मेग्स को भी देशद्रोह का दोषी ठहराया गया है जबकि रोड्स के तीन अन्य सह-आरोपियों को आरोप मुक्त कर दिया गया है। अदालत ने सभी पांच आरोपियों को बाइडन की चुनावी जीत पर कांग्रेस के सत्यापन की आधिकारिक प्रक्रिया में बाधा डालने का दोषी पाया गया।

अभियोजकों के अनुसार, छह जनवरी को ओथ कीपर्स को कैमरे में लड़ाई की तैयारी के साथ अमेरिकी संसद परिसर तथा भीड़ के बीच घुसते देखा गया था। रोड्स किसी 'जनरल' की तरह अपनी सेना को निर्देश देते हुए बाहर खड़ा था। दंगे के बाद रोड्स और ओथ कीपर्स के अन्य सदस्य जश्न मनाने के लिए ओलिव गार्डन रेस्त्रां में गए थे।

विश्वकप फुटबॉल मैच के ब्रेक में अमेरिका ने कतर को हथियार बिक्री पर किया बड़ा ऐलान

दुबई/वाशिंगटन : अमेरिका ने मंगलवार को दोहा में ईरान और अमेरिका के बीच फुटबॉल विश्वकप के एक अहम मुकाबले के ब्रेक के दौरान एक बड़ा ऐलान करते हुए कतर को एक अरब डॉलर के हथियारों की बिक्री की मंजूरी दे दी। अमेरिका-ईरान के बीच दूसरे चरण का मुकाबला शुरू होते ही अमेरिकी विदेश विभाग ने घोषणा की कि उसने कतर को 10 रक्षात्मक ड्रोन प्रणालियों, 200 इंटरसेप्टर और अन्य सैन्य उपकरणों की बिक्री के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। कतर सहित अन्य खाड़ी देश क्षेत्र में ईरान समर्थित अराजक तत्वों के खतरों का सामना करते हैं। अमेरिकी विदेश विभाग ने एक बयान जारी कर कहा कि यह बिक्री 'सुरक्षा व्यवस्था में सुधार करने में एक मित्र देश की मदद करके अमेरिका की विदेश नीति एवं राष्ट्रीय सुरक्षा उद्देश्यों का समर्थन करेगी, जो मध्य पूर्व में राजनीतिक स्थिरता और आर्थिक प्रगति सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण शक्ति बना हुआ है।'

बीएलए से लड़ाई में पाक की मदद कर रहा ईरान? कामिकेज़ ड्रोन से बलूचिस्तान में दर्जनों आतंकवादी मारे गए

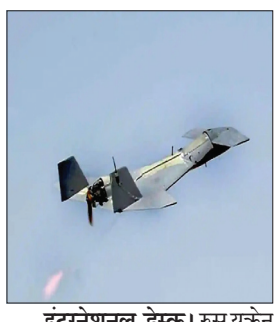

इंटरनेशनल डेस्क। रुस यूक्रेन युद्ध के दौरान इस्लामिक रेवोलुशनरी गार्ड्स कॉर्प्स के कामिकेज़ ड्रोन के इस्तेमाल की खूब चर्चा रही। यूक्रेन की राजधानी कीव पर 'कामिकेज़ ड्रोन' ने सैन्य अड्डों, बिजली घरों और सरकारी दफ्तरों को निशाना बनाया। अब यूक्रेन के बाद ईरान के कामिकेज़ ड्रोन की कथित तौर पर एंट्री पाकिस्तान में भी हो गई है। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने दावा किया कि उसके नौ जवान मारे गए हैं। बीएलए का आरोप है कि बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना के ड्रोन हमले में उसके आतंकी मारे गए। बीएलए ने कहा कि पाकिस्तानी सेना ने अपने सदस्यों के खिलाफ ईरान के कामीकेज ड्रोन का इस्तेमाल किया। यह जाहिर तौर पर पहली बार है जब पाकिस्तान में बीएलए के खिलाफ कामिकेज ड्रोन का इस्तेमाल किया गया है।

कामिकेज ड्रोन क्या हैं?

कामिकेज ड्रोन एक हवाई हथियार प्रणाली है, जिसमें युद्ध सामग्री रखी जाती है और एक बार टारगेट पर हमला करती है। ये युद्ध सामग्री अधिक सिलेक्टिव टारगेट की अनुमति देती हैं। इनका नाम द्वितीय विश्व युद्ध के युग के जापानी कामिकेज पायलटों से लिया गया है, जिन्होंने अपने विस्फोटक से भरे विमान को दुश्मन के ठिकानों पर दुर्घटनाग्रस्त करके आत्मघाती हमले किए।

पेंटागन का दावा- चीन के पास 2035 तक होंगे 1500 परमाणु आयुध भंडार

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के रक्षा विभाग पेंटागन ने अपनी एक रिपोर्ट में दावा किया है कि साल 2035 तक चीन के पास करीब 1500 आयुध भंडार होने की संभावना है। अभी उसके पास अनुमानित रूप से 400 आयुध भंडार हैं। पेंटागन ने यह जानकारी दी। चीन के महत्वाकांक्षी सैन्य कार्यक्रम पर संसद में दी अपनी वार्षिक रिपोर्ट में पेंटागन ने मंगलवार को कहा कि अगले दशक तक बीजिंग का उद्देश्य अपनी परमाणु ताकतों का आधुनिकीकरण करना, उसमें विविधता लाना और उसका विस्तार करना है। उसने कहा कि चीन की मौजूदा परमाणु आधुनिकीकरण की कवायद पहले की आधुनिकीकरण की कोशिशों के मुकाबले कहीं ज्यादा बड़े पैमाने पर है। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन जमीन, समुद्र और वायु आधारित परमाणु मंचों की संख्या बढ़ा रहा है और अपने परमाणु बलों का विस्तार करने के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे का निर्माण कर रहा है। पेंटागन ने कहा कि उसका अनुमान है कि चीन का संचालनात्मक परमाणु आयुध भंडार 400 के पार चला गया है। रिपोर्ट के अनुसार, पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) की 2035 तक अपने राष्ट्रीय रक्षा और सशस्त्र बलों का ''आधुनिकीकरण पूरा करने' की योजना है। इसमें कहा गया है, ''अगर चीन इसी गति से परमाणु विस्तार करता है तो 2035 तक करीब 1,500 आयुध भंडार कर सकता है।'

दक्षिण कोरियाई सीमा में घुसे चीन व रूस के लड़ाकू विमान, सियोल ने दिया करारा जवाब

इंटरनेशनल डेस्क (एजेंसी)। : ताइवान के रक्षा क्षेत्र में घुसपैठ के अलावा अब चीन ने अब दक्षिण कोरिया की सीमा में भी घुसपैठ शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार दक्षिण कोरिया की सीमा में चीन के 2 और रूस के 6 वॉरप्लेन घुस गए। दक्षिण कोरिया की सेना ने बुधवार को यह जानकारी दी और बताया कि इसके लिए देश के फाइटर जेट को रवाना कर दिया गया है। इस घटना के बाद दक्षिण कोरियाई सेना सतर्क हो गई और तुरंत उचित फैसला लेते हुए सेना ने अपने फाइटर जेट भेज दि?ए। दक्षिण

कोरियाई समाचार एजेंसी योनहाप ने देश के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ के हवाले से इस बारे में जानकारी दी। इसमें बताया गया कि कि चीन के 2 और रूस के 6 वॉरप्लेन बिना किसी पूर्व सूचना के दक्षिण कोरिया की हवाई सीमा में प्रवेश कर गए। उन?होंने इसका समय भी बताया। ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ ने दावा किया कि चीन का एच-6 बॉम्बर आज सुबह करीब 5 बजकर 50 मिनट पर दक्षिणी और उत्तरपूर्वी तटों से हवाई रक्षा क्षेत्र में घुसे और बाहर निकल गए। उन्होंने कहा, कुछ घंटे बाद ये विमान जापान सागर से हवाई रक्षा क्षेत्र में फिर से दाखिल हुए। इनमें ञ-95 बॉम्बर और स-35 फाइटर जेट सहित रूसी युद्धक विमान भी शामिल थे।

चीन में अब और नहीं होगा XI हुजूर, डर और गुस्सा बना जिनपिंग की मुसीबत, एक साल में 22 बार सड़क पर उतरी जनता

बीजिंग (एजेंसी)। पिछले 72 घंटों में हमने चीन में कुछ ऐसा देखा है जो एक पीढ़ी में नहीं देखा गया। कई शहरों में एक साथ सार्वजनिक विरोध प्रदर्शन। चीन के लिए विरोध प्रदर्शन कोई नई बात नहीं है। विरोध इसलिए नहीं होता है क्योंकि चीन में जीवन अत्यधिक विनियमित है, ये हर समय विभिन्न कारणों से होते हैं जिनमें प्रतिकूल कामकाजी परिस्थितियों से लेकर बैंक विफलताएं शामिल हैं। लेकिन आखिरी बार जब विरोध एक मुद्दे के इर्द-गिर्द जमा हुआ था, वह 1989 की भीषण गर्मी के दौरान था।

चीन में कठोर कोविड नियमों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन 15 शहरों में पहुंच गया। पेइचिंग, शंघाई और ग्वांगझो जैसे शहर सत्ता विरोधी नारों से गूंज उठे। चीन की राजधानी पेइचिंग स्थित थियानमन चौक पर भी 'आजादी आजादी' के नारे लगे। आंदोलन की इस जमीन पर रविवार रात 100 प्रदर्शनकारियों के समूह ने सुरक्षा इंतजामों को धता बताते हुए इस चौक की ओर मार्च किया और सरकार विरोधी नारे लगाए। यह समूह लोगों से कह रहा था कि हमें लॉकडाउन से आजादी चाहिए, बराबरी चाहिए लोकतंत्र चाहिए और कानून का शासन चाहिए। हमें तानाशाही नहीं चाहिए। करीब एक डिग्री सेल्सियस तापमान, सर्दी से कांपते लोग, हाथ में ?-4 साइज का पेपर लिए हुए लगातार नारेबाजी कर रहे थे।

33 साल पहले 1989 में इसी चौक पर राजनीतिक स्वतंत्रता का दायरा बढ़ाने की मांग पर बड़ा प्रदर्शन हुआ था। जून के पहले हफ्ते में लाखों लोग जुटे थे। जून 1989 में बीजिंग में भारी उथल पुथल मची हुई थी। चीनी छात्र लोकतंत्र की मांग कर रहे थे। छह हफ्तों तक बीजिंग की सड़कों पर प्रदर्शन होता रहा। प्रदर्शन का मुख्य अड्डा तियानमेन चौक था। प्रदर्शन लंबा चल रहा था। 3-4 जून की दरमियानी रात चीन ने प्रदर्शनकारियों पर बड़ी कार्रवाई की। प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर ऑटोमैटिक राइफल्स और टैंक के साथ हमला किया गया। इस दौरान दुनिया को वो मशहूर तस्वीर देखने को मिली जिसमें एक निहत्था आदमी चीनी सेना के टैंक का रास्ता रोके खड़ा था। विदेशी मीडिया के मुताबिक करीब 10 हजार प्रदर्शकारियों की हत्या कर दी गई। उस वक्त देनजियाउ पेंग चीन के राष्ट्रपति थे।

आंकड़ों के अनुसार केवल और केवल 2022 में ही 22 ऐसे मौके सामने आए हैं जब चीन सरकार के खिलाफ लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया है। ज्यादातर मौकों पर सरकार

की कोरोना नीति को लेकर प्रदर्शन किए गए। जीरो कोविड पॉलिसी कई लोगों की समझ से परे लग रही। 1 जून से अब तक 22 मौकों पर सड़कों पर जनता सरकार के खिलाफ उतर चुकी हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्रदर्शन कर रहे मजदूर संगठनों पर पंजाब पुलिस ने किया लाठीचार्ज, हरूहाउस के बाहर जुटे थे

चंडीगढ़। पंजाब के कई श्रमिक संघों के कार्यकर्ता अपनी सभी मांगों को पूरा करने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री भगवंत मान के आवास के बाहर एकत्र हुए और पुलिस से भिड़ गए। कार्यकर्ता सबसे पहले पटियाला बाइपास पहुंचे और संगरूर में मुख्यमंत्री आवास की ओर कूच किया। भगवंत मान के घर के बाहर भारी पुलिस बल तैनात है। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस द्वारा किए गए लाठीचार्ज में कुछ कार्यकर्ता घायल हो गए। संगरूर में पटियाला-बठिंडा रोड के पास सैकड़ों खेतिहर मजदूर सुबह और बाद में दोपहर 3 बजे के आसपास एकत्र हुए, उन्होंने मुख्यमंत्री के किराए के आवास की ओर मार्च किया। जब वे मान के आवास वाली निजी कॉलोनी के बाहर पहुंचे तो पुलिस ने उन पर बल प्रयोग करना शुरू कर दिया और लाठीचार्ज भी किया। संगरूर के पुलिस अधीक्षक (एसपी) मनप्रीत सिंह ने लाठीचार्ज का नेतृत्व किया और वीडियो में प्रदर्शनकारियों को मारते हुए देखा गया। उन्हें वीडियो में प्रदर्शनकारियों को मारते और अन्य पुलिसकर्मियों को निर्देश देते देखा जा सकता है। जमीन प्राप्ति संघर्ष कमेटी के अध्यक्ष मुकेश मलौद ने कहा, 'पहले मुख्यमंत्री ने हमें मीटिंग की बात की थी लेकिन बाद में उन्होंने मिलने से मना कर दिया. अब, हम अपनी मांगों को उठाने के लिए विरोध करने के लिए मजबूर हैं।

बेंगलुरु के एटीएम से चुराए 20 लाख रुपए, गर्लफ्रेंड से शादी करना चाहता था गॉर्ड, पुलिस ने किया गिरफ्तार

बेंगलुरु। आज के समय में जहाँ एक तरफ छोटी-छोटी बातों पर लोग अपनी शादियां तोड़ रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ एक सिक्योरिटी गार्ड ने अपनी गर्लफ्रेंड से शादी करने के लिए बेंगलुरु के एक एटीएम से करीब 20 लाख रुपये की चोरी की। हालाँकि, सिक्योरिटी गार्ड को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया और उसके पास से चुराई हुई रकम के 14.2 लाख रुपए भी बरामद कर लिए गए हैं। सिक्योरिटी गार्ड की पहचान 23 वर्षीय दीपोंकर नोमोसुद्रा के रूप में हुई है। पुलिस ने दीपोंकर को असम में उसके होमटाउन से गिरफ्तार किया है। दीपोंकर नोमोसुद्रा की गिरफ़्तारी के बाद पुलिस ने बताया कि आरोपी को छह महीने पहले ही सुरक्षा गार्ड के रूप में विल्सन गार्डन के यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम कियोस्क में नौकरी पर रखा गया था। उसने इस दौरान कैश-लोडिंग स्टाफ से दोस्ती की और चुपके से उनकी डायरी से एटीएम में कैश कैसेट खोलने का पासवर्ड पता किया। इसके बाद आरोपी ने अपनी प्रेमिका से शादी करने के लिए एटीएम से पैसे चुराने की योजना बनाई। पुलिस ने बताया कि आरोपी चुराए हुए पैसो का इस्तेमाल अपनी प्रेमिका के साथ अपने पैतृक स्थान करीमगंज में बसने के लिए करने वाला था। पुलिस ने आगे बताया कि दीपोंकर ने 17 नवंबर की शाम को 7.50 से 8.20 बजे के बीच अपराध को अंजाम दिया था। आरोपी ने चोरी करने से पहले एटीएम की लाइट बंद की थी और अपने कपड़े भी बदले थे। उसकी ये हरकत सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गयी थी, जिसकी मदद से पुलिस उसे पकड़ने में कामयाब रही। आरोपी ने एटीएम से 19,96,600 रुपये चुराए थे, जिसमें से उसने 5 लाख रुपये दोस्तों के साथ पार्टी करने और लग्जरी होटलों में ठहरने के लिए खर्च किए। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया था और कोर्ट ने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

कर्नाटक में सामने आया एक अनोखा मामला, चिकित्सकों ने मरीज के पेट से निकाले 187 सिक्के

बेंगलुरु। कर्नाटक में चिकित्सकों ने सिजोफ्रेनिया के 58 वर्षीय एक मरीज के पेट से 187 सिक्के निकाले हैं, जिन्हें वह हाल में मानसिक रूप से अस्थिर होने की अवस्था में निगल गया था। डॉक्टर ईश्वर कलबुर्गी ने बताया कि रायचूर जिला निवासी दयम्पा पेट में दर्द होने की शिकायत के साथ बागलकोट स्थित हंगल श्री कुमारेश्वर हॉस्पिटल ऐंड रिसर्च सेंटर आया था और जांच किये जाने पर पेट में सिक्के होने की जानकारी मिली। उन्होंने बताया, ''अगर एक सिक्का होता तो हम इंडोस्कॉपी के माध्यम से मरीज के शरीर से उसे निकाल देते, लेकिन इस मामले में कई सिक्के पेट के भीतर थे, जिसकी वजह से हमें ऑपरेशन करना पड़ा।'' डॉक्टर ने बताया कि मरीज की हालत अब स्थिर है और उनके करियर का यह अनोखा मामला था।

उत्तर 24 परगना के एक स्कूल पहुंचीं ममता बनर्जी, छात्रों को खिलौने और चॉकलेट बांटीं

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को उत्तर 24 परगना जिले के एक प्राथमिक स्कूल पहुंचकर छात्रों से बातचीत की। बनर्जी ने छात्रों को चॉकलेट और खिलौने भी बांटे। बाद में उन्होंने हसनाबाद के खापुकुर में स्थानीय लोगों को सर्दी के लिए कपड़े बांटे। लोग मुख्यमंत्री से पेयजल संकट की शिकायत करते हुए सुने गए। एक स्थानीय निवासी मिहिर अधिकारी ने कहा कि हसनाबाद के लोगों को प्रभावित करने वाली एक और समस्या नदी के किनारे का कटाव है। उन्होंने कहा, 'हमें उम्मीद है कि मुख्यमंत्री हमारी समस्याओं को सुनेंगी और उन्हें हल करेंगी।' पश्चिम बंगाल में अगले साल पंचायत चुनाव होने हैं।

गुजरात चुनाव : चुनावी सरगर्मी से अछूता सेक्स वर्कर्स का ये गांव. किसी राजनीतिक पार्टी का कार्यकर्ता तक नहीं आया झांकने

अहमदाबाद। आर्थिक रूप से समृद्ध विकास के रोल मॉडल के रूप में पहचाने जाने वाले गुजरात में एक गांव ऐसा भी है जो वर्तमान दौर में भी आर्थिक रूप से इतना पिछड़ा है कि यहां देह व्यापार तो जैसे एक परंपरा बन गया है। इस गांव का नाम है 'वाडिया'। जब चुनाव आयोग की तरफ से 3 नवंबर को गुजरात में विधानसभा चुनाव की घोषणा की गई, तो विषेश रूप से जोर देते हुए कहा गया कि रेड लाइट क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। हालांकि, बनासकांठा के थराद तालुका में वाडिया नामक ये गांव यौनकर्मियों के गांव के रूप में प्रसिद्ध है। चुनाव आयोग के अधिकारियों के साथ-साथ राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं से भी अछूता है। थराद सीट से कांग्रेस विधायक गुलाबसिंह राजपूत के खिलाफ पूर्व मंत्री और बीजेपी प्रत्याशी शंकर चौधरी चुनाव लड़ रहे हैं। वाडिया की आबादी लगभग 700 है, जिसमें 50 परिवार परंपरागत रूप से देह व्यापार पर निर्भर हैं। यहां की प्रथा को खत्म करने के लिए सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा कई प्रयास असफल साबित हो चुके हैं। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार 30 वर्षीय दिनेश सरानिया नाम के एक ग्रामीण ने कहा कि यह उदासीनता इस चुनाव के लिए अनोखी नहीं है। उन्होंने कहा, 'पहले के चुनावों में भी हमारी उपेक्षा की गई। हम आस-पास के गांवों में लाउडस्पीकर, ढोल और नारे सुनते हैं, लेकिन उम्मीदवार हमारे गांव नहीं आते हैं। ग्रामीणों के सामने आने वाली कुछ समस्याओं को सूचीबद्ध करते हुए सरानिया ने कहा कि उनके घर उनके नाम पर पंजीकृत नहीं हैं, इसलिए वे कई कल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित हैं। 'हमारे गांव में सड़क या स्वास्थ्य केंद्र जैसी बुनियादी सुविधाएं नहीं थीं। कोई भी हमारे मुद्दों को संबोधित करने की हिम्मत नहीं करता है,' सरानिया ने कहा, जिसने यह नहीं बताया कि वह जीने के लिए क्या करता है। गांव के एक शिक्षक ने कहा कि स्कूल में कमरे नहीं हैं और छात्र खुले में पढ़ते हैं. उन्होंने कहा कि असली समस्या वर्जित है जो सरकारी अधिकारियों और बुनियादी सुविधाओं को वडिया से दूर रखती है। 卐कभी-कभी जो लोग सेक्स वर्कर्स से संपर्क करना चाहते हैं वे अधिकारियों के रूप में थराद-धनेरा राजमार्ग से गांव के लिए दिशा-निर्देश मांगते हैं। वास्तविक सरकारी अधिकारी, सार्वजनिक पदाधिकारी या राजनीतिक नेता कभी भी इस स्थान पर नहीं जाते हैं। वडिया और वडगामदा गांवों को एक समूह पंचायत द्वारा प्रशासित किया जाता है। सरपंच जगदीश असल ने कहा कि वह कुछ दिन पहले वाडिया गए थे ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी के पास मतदाता पहचान पत्र हो। असल ने कहा, 'एकमात्र समस्या यह है कि ग्रामीणों को वोट देने के लिए वडगामदा जाना पड़ता है।' जिला कलेक्टर आनंद पटेल कई प्रयासों के बावजूद अपनी टिप्पणी के लिए उपलब्ध नहीं थे।

योगी आदित्यनीथ ने कहा उत्तर प्रदेश बाढ़ की समस्या के स्थायी समाधान के लिए कर रहा है प्रयास

लखनऊ (एजेंसी)। । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि राज्य बाढ़ की समस्या के स्थायी समाधान के लिए प्रयास कर रहा है जिससे हर साल कई लोगों की जान जाती है और संपत्ति की हानि होती है। उन्होंने कहा, ''कुछ समय पहले तक उत्तर प्रदेश के 38 जिले हर साल बाढ़ से प्रभावित रहते थे। आज यह महज चार जिलों तक सीमित होकर रह गया है।'' इस सफलता के लिए किए गए प्रयासों पर चर्चा करते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि जब उन्होंने 2017 में मुख्यमंत्री के रूप में पदभार संभाला था, तो उन्हें बाराबंकी में एल्गिन ब्रिज से संबंधित 100 करोड़ रुपये का व्यय बिल मिला था।

उन्होंने कहा कि बाढ़ नियंत्रण के लिए सिर्फ एक जगह पर हर साल इतनी बड़ी राशि खर्च की जा रही थी। आदित्यनाथ ने कहा कि उन्होंने उक्त स्थल का दौरा किया और नदी से गाद निकालकर बाढ़ के प्रभाव को कम करने का प्रयास किया। इसके परिणामस्वरूप बहराइच, गोंडा और बाराबंकी जिलों में बाढ़ की समस्या को नियंत्रित करने में सरकार ने 100 करोड़ रुपये खर्च करने के बजाय केवल पांच करोड़ रुपये खर्च किए। आदित्यनाथ ने यहां राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के तत्वावधान में आयोजित आपदा प्रबंधन पर दो दिवसीय क्षेत्रीय सम्मेलन के तीसरे संस्करण को संबोधित किया। उन्होंने कहा, ''आपदाओं से बचाव के लिए सतर्कता और जागरूकता को बढ़ाये जाने की जरूरत है।

कर्मियों का समय पर प्रशिक्षण, बचाव के उपायों को सही इरादे से लागू एवं संचालित करने से ही आपदाओं से होने वाले नुकसान के प्रभाव को कम किया जा सकता है।'' आपदा प्रबंधन को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करने पर बल देते हुए उन्होंने कहा है कि अगर लोगों को यह पता होगा कि बाढ़, भूकम्प, आकाशीय बिजली, अग्निकांड आदि के समय उन्हें कैसी सावधानियां बरतनी चाहिए, तो निश्चित ही बड़ी जनहानि से बचा जा सकता है। मुख्यमंत्री ने मिर्जापुर और सोनभद्र जैसे जिलों में आकाशीय बिजली से होने वाली जनहानि की जानकारी देते हुए इसे रोकने के लिए अलर्ट सिस्टम को और बेहतर करने की आवश्यकता भी जताई।

मुख्यमंत्री ने आपदाओं की रोकथाम में 'आपदा मित्रों' की भूमिका की सराहना करते

हुए इस कार्य में ग्राम पंचायतों को जोड़ने और 'आपदा मित्रों' की संख्या बढ़ाने पर भी जोर दिया। आदित्यनाथ ने सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए जागरुकता बढ़ाने पर भी जोर दिया। इस कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने नेशनल रिमोट सेंसिंग सेंटर (एनआरएससी)-हैदराबाद द्वारा विकसित 'बाढ़एटलस' का अनावरण किया।

नौसेना प्रमुख ने कहा आईएनएस विक्रांत से विमानों का संचालन अगले साल मई-जून तक हो सकता है शुरू

नई दिल्ली। (एजेंसी)। नौसेना प्रमुख आर. हरि कुमार ने बुधवार को कहा कि नए विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत से विमानों के संचालन की प्रक्रिया के अगले साल मई या जून तक शुरु होने की संभावना है। उन्होंने महाराष्ट्र में पुणे जिले के खड़कवासला में राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) के 143वें कोर्स की पासिंग आउट परेड का निरीक्षण करने के बाद पत्रकारों से कहा कि विमानवाहक पोत के समुद्री परीक्षण हो गए हैं जिसके बाद उसे नौसेना के बेड़े में शामिल किया गया। उन्होंने कहा कि अब पोत से विमानों के संचालन के लिए परीक्षण शुरू किए गए हैं।

नौसेना प्रमुख ने कहा, ''सबसे पहले विमान की लैंडिंग प्रणाली की जांच करने की आवश्यकता है। ये परीक्षण अभी चल रहे हैं। सामान्य तौर पर पोत को बेड़े में शामिल करने के बाद विमानों का संचालन शुरु होने में छह से आठ महीने का वक्त लगता है। हमें मानसून से पहले मई या जून तक इसके पूरा हो जाने की उम्मीद है।'' एनडीए में महिला कैडेट के पहले बैच की भर्ती पर उन्होंने कहा, ''हमारी सेनाएं लैंगिक रूप से निष्पक्ष हैं। महिलाएं पहले ही युद्धक सेवाएं दे रही हैं। नौसेना समेत तीनों सेनाओं में महिला अधिकारी हैं।'' उन्होंने कहा कि नौसेना ने महिला नौसैनिकों की भर्ती भी शुरू की है जो एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।

एडमिरल कुमार ने कहा, ''इस साल हमने नौसैनिकों के लिए 3,000 रिक्तियां निकाली थी जिसके लिए हमें 10 लाख आवेदन मिले और इनमें

से 82,000 आवेदन महिलाओं से मिले।'' नौसेना की आधुनिकीकरण की योजना के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, ''भारतीय नौसेना आधुनिकीकरण कार्यक्रम चला रही है। हमारा पहला छोटा जहाज 1960 में शामिल किया गया...। उसके बाद से हम बड़े तथा और बड़े जहाज बना रहे हैं। इसके बाद हमने विध्वंसकों, कल्मीनेटर और विमानवाहक पोतों का निर्माण शुरू कर दिया। संयोग से नया विमानवाहक पोत 76 फीसदी स्वदेश निर्मित है इसलिए यह देश के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है।'' उन्होंने कहा कि पिछले सात वर्ष में भारत में बनाए गए 29 जहाज और पनडुब्बी बेड़े में शामिल किए गए।

एडमिरल कुमार ने कहा, ''हमारे 45 जहाज निर्माणाधीन हैं जिनमें से 43 भारत में बने हैं। हम 49 अन्य जहाजों की आवश्यकता की स्वीकृति की प्रक्रिया में हैं इसलिए आधुनिकीकरण की योजना पर बहुत ध्यान है और सरकार हमारा सहयोग कर रही है। उम्मीद के मुताबिक कार्य प्रगति पर है।'' भारतीय नौसेना के लिए बजट के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, ''बजट की कोई दिक्कत नहीं है। सभी कार्यक्रमों में सहयोग देने के लिए सरकार से पर्याप्त बजट मिला है।

गुजरात में बोले भगवंत मान, यदि बनी 'आप' की सरकार तो लोगों को बिजली के बिल में मिलेगी राहत

अहमदाबाद (एजेंसी)। पंजाब के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता भगवंत मान गुजरात में लगातार पार्टी के लिए प्रचार कर रहे हैं। इसी कड़ी में आज भगवंत मान ने साफ तौर पर कहा है कि अगर गुजरात में आप की सरकार बनने के बाद बिजली के बिल से पूरी तरीके से राहत मिलने वाली है। आपको बता दें कि गुजरात में आम आदमी पार्टी ने 300 यूनिट बिजली मुफ्त देने का हर महीने वादा किया है। गुजरात में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए भगवंत मान ने कहा कि पंजाब में 75 लाख बिजली कनेक्शन है और 61 लाख लोगों का बिजली बिल जीरो आया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जनवरी में 71 लाख लोगों का बिल 0 आएगा। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि गुजरात में भी 31 मार्च से बिजली बिल 0 आएंगे। हमने जो कहा है वह करके दिखाएंगे। अपने बयान में भगवंत मान ने कहा कि हमने कहा था पंजाब में मोहल्ला क्लीनिक बनाएंगे। 100 मोहल्ला क्लीनिक सुचारू रूप से चल रहे हैं और लाखों लोगों का मुफ्त में

इलाज हो रहा है। 26 जनवरी से पहले 500 और बना देंगे। केंद्र सरकार की कमेटी ने चेकिंग करने के बाद अपनी संतुष्टि जताई है। उन्होंने कहा कि हमने विधायकों की पेंशन बंद कर दी, जितनी बार बनते, उतनी बार 60000 रुपये और बढ़ जाती। मान ने कहा कि इस साल जून में राज्य विधानसभा द्वारा पारित एक विधेयक के जरिये पूर्व विधायकों को प्रत्येक कार्यकाल के लिए मिलने वाली बहु पेंशन व्यवस्था को समाप्त करने का प्रावधान किया गया था। कई विधायक को हारने में फ़ायदा था, पेंशन ज्यादा, सेलरी कम। हमने कोरोड़ो रुपये बचाए हैं और उसका इस्तेमान कर रहे। उन्होंने कहा कि 16 मेडिकल कॉलेज बना रहे हैं, 25 हो जाएंगे- बच्चों को यूक्रेन नहीं जाना पड़ेगा।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जेल में बंद नवाब मलिक को लगा करारा झटका, विशेष अदालत ने जमानत देने से किया इनकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई की एक विशेष अदालत ने राकांपा नेता नवाब मलिक की जमानत याचिका खारिज कर दी, जिन्हें फरवरी में प्रवर्तन निदेशालय ने भगोड़े गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम से जुड़ी संपत्ति पर दर्ज धन शोधन मामले में गिरफ्तार किया था। विशेष न्यायाधीश आरएन रोकड़े ने 14 नवंबर को मलिक की याचिका पर सुनवाई पूरी की और आदेश सुरक्षित रख लिया। जबकि न्यायाधीश को 23 नवंबर को आदेश पारित करना था, अदालत ने कहा कि उसे दोनों पक्षों द्वारा रिकॉर्ड में रखे गए भारी भरकम सबमिशन और दस्तावेजों के माध्यम से जाना था और आदेश को बुधवार तक के लिए टाल दिया।

मलिक महाराष्ट्र में महा विकास अगड़ी सरकार में मंत्री थे, को कई स्वास्थ्य समस्याएं हैं और मई से एक निजी अस्पताल में हैं। अपनी जमानत याचिका में, मलिक ने राष्ट्रीय जांच एजेंसी द्वारा दायर एक शिकायत में के आरोपों से इनकार किया, जिसके आधार पर ईडी ने उन्हें मनी-लॉन्ड्रिंग मामले में दर्ज किया था। एनआईए मामले में नामित लोगों में भगोड़ा गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम और उसकी बहन हसीना पारकर शामिल हैं। मलिक की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता अमित देसाई ने कहा कि वह एक 'निर्दोष खरीदार' थे, जिन्होंने मुंबई के कुर्ला इलाके में गोवावाला कंपाउंड की संपत्ति पूरी मेहनत से खरीदी थी। ईडी ने संपत्ति के मालिक मुनीरा प्लम्बर द्वारा दायर एक शिकायत के आधार पर अपनी जांच शुरू की। देसाई ने कहा कि प्लंबर ने शिकायत दर्ज कराई थी कि मलिक द्वारा कानूनी रूप से खरीदे जाने के बाद 2021-23 साल में उनकी संपत्ति कथित रूप से हड़प ली गई। ईडी ने, हालांकि, जवाब दिया कि एक प्रत्यक्षदर्शी के बयान से पता चला है कि गोवावाला संपत्ति के लिए पारकर को अवैध रूप से 55 लाख रुपये का भुगतान किया गया था। इसमें कहा गया है कि मलिक ने दाऊद गिरोह के सदस्यों के साथ 'गैरकानूनी रूप से हड़पी गई संपत्ति / गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम के तहत अपराध की कार्यवाही में शामिल' के साथ सांठगांठ की थी।

नामजद लोगों के साथ साजिश करने

शराब नीति मामले में ईडी का आरोप, मनीष सिसोदिया ने बदले फोन, नष्ट किए सबूत

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय ने बुधवार को आरोप लगाया कि आप नेता मनीष सिसोदिया सहित दिल्ली शराब नीति घोटाले के आरोपियों ने कई बार अपने फोन बदले और सबूत नष्ट कर दिए। जांच एजेंसी ने दिल्ली की एक अदालत को बताया कि बुधवार को गिरफ्तार किए गए दिल्ली के व्यवसायी मनीष सिसोदिया और अमित अरोड़ा ने 11 फोन इस्तेमाल किए और बदले। ईडी ने अदालत को बताया कि ये फोन कथित शराब घोटाले की अवधि के दौरान इस्तेमाल किए गए थे। इसने आगे मनीष सिसोदिया और अमित अरोड़ा पर मामले में सबूत नष्ट करने का आरोप लगाया। ईडी ने बुधवार को राउज एवेन्यू कोर्ट को बताया कि संदिग्ध शराब कारोबारी, वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, दिल्ली के

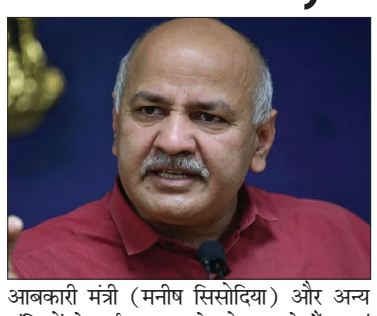

आबकारी मंत्री (मनीष सिसोदिया) और अन्य संदिग्धों ने कई बार अपने फोन बदले हैं, जहां इस्तेमाल किए गए और नष्ट किए गए उपकरणों का अनुमानित मूल्य 1.38 करोड़ से बहुत अधिक है।

ईडी को कारोबारी अमित अरोड़ा की 7 दिन की हिरासत मिली: प्रवर्तन निदेशालय ने बुधवार को दिल्ली शराब नीति घोटाले की जांच के सिलसिले में व्यवसायी अमित अरोड़ा की 7 दिन की हिरासत मंजूर कर ली। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के करीबी सहयोगी अमित अरोड़ा को वित्तीय जांच एजेंसी ने आज गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद, आमिर अरोड़ा को राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया, जहां प्रवर्तन निदेशालय ने दिल्ली शराब नीति घोटाले के सिलसिले में उनसे पूछताछ करने के लिए उनकी हिरासत मांगी। ईडी ने आरोप लगाया कि रिश्वत लेने के लिए अरोड़ा जिम्मेदार थे। जांच एजेंसी ने दावा किया कि अरोड़ा ने एक वेंडर से 2.5 करोड़ रुपये लिए थे।

सूत्रों का दावा, ज्ञ-20 में आतंकवाद और आपूर्ति श्रृंखला जैसे मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करेगा भारत

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत 1 दिसंबर को जी-20 की अध्यक्षता संभालेगा और 2023 का शिखर सम्मेलन बैठक भी भारत में ही होगा। भारत जी-20 की योजनाओं पर लगातार काम कर रहा है। जानकारी के मुताबिक आतंकवाद से निपटने, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और वैश्विक मामलों में देशों के बीच एकता जैसे मुद्दों पर ध्यान देगा। देश में जी-20 की बैठक को लेकर तैयारियां भी लगातार चल रही हैं। खबर यह भी है कि भारत के 100 स्मारकों को जी-20 के लोगों से सुसज्जित किया जाएगा। इसके अलावा सेल्फी प्रतियोगिता और अन्य सार्वजनिक कार्यक्रम भी किए जाएंगे।

खबर के मुताबिक 2023 के शिखर सम्मेलन बैठक को लेकर जी-20 के सदस्य देश और अतिथि देश इसी सप्ताह के अंत में उदयपुर में मिल सकते हैं। विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी ने अपने बयान में कहा कि भारत जी20 की अध्यक्षता ग्रहण कर रहा है। भारत अपनी ताकत दिखा रहा है और अपने सभ्यतागत मूल्यों के साथ दुनिया को बदल रहा है। उन्होंने कहा कि भारत के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर ने दुनिया को दिखाया है कि कैसे समावेश हो सकता है जिससे सुशासन और व्यापार करने में आसानी हो। एक सूत्र ने यह भी कहा कि शिखर सम्मेलन व्यापक आधार वाला होगा और जनभागीदारी (लोगों की भागीदारी) का संदेश देगा। इस बात की भी जानकारी मिली है कि शिखर सम्मेलन से संबंधित तैयारियों को लेकर बैठकें देशभर के अलग-अलग शहरों में होंगी। अब सवाल यह भी है कि क्या जम्मू कश्मीर, अरुणाचल प्रदेश और लद्दाख जैसे क्षेत्रों में भी बैठक होगी। इसको लेकर एक सूत्र ने दावा किया है कि इस पर भी काम जारी है। वहीं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि भारत को जी-20 की अध्यक्षता मिलना एक बड़ा अवसर है और देश को इसका पूरा उपयोग करते हुए ''विश्व कल्याण'' पर ध्यान केंद्रित करना है।

एशिया की सबसे बड़ी झुग्गी बस्ती धारावी की बदलेगी तस्वीर, अडानी समूह को मिली जिम्मेदारी, कभी अंग्रेजों ने बसाया था

मुंबई (एजेंसी)। जब भी धारावी की बात आती है तो आपके सामने झुग्गी झोपड़ी की तस्वीरें आ जाती होंगी जहां सकरी गलियां है, बिना छत के मकान जिनपर प्लास्टर भी नहीं लगा होता। मायानगरी मुंबई में बसे इस इलाके को मिनी इंडिया के नाम से भी जाना जाता है। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि देश भर के अलग-अलग हिस्सों से लोग यहां जाते हैं और अपना गुजर-बसर करते हैं। अगर आप कम खर्च में मुंबई जैसे महानगर में रहना चाहते हैं तो आपके लिए धारावी सबसे अच्छा इलाका हो सकता है। इस इलाके में मजदूरी करने वाले लोग काफी तादाद में रहते हैं जो कि दूसरे राज्यों से आए होते हैं। इसके अलावा छोटे कारोबारियों के लिए भी धारावी रहने का स्थान काफी दिनों से बना हुआ है।

बदलेगी तस्वीरः आधुनिक सुख सुविधाओं के लिए भी धारावी में मशक्कत करना पड़ता है। सरकार की योजनाएं भी वहां की गलियों में गुम हो जाती हैं। ना तो शिक्षा का स्तर अच्छा है और ना ही साफ सफाई की व्यवस्था है। लेकिन अब इस धारावी की तस्वीर बदलने वाली है। 259 हेक्टेयर में फैले इस धारावी को पुनर्विकास के लिए आगे किया गया है। अडानी समूह ने धारावी पूर्णविकास योजना को अपने हाथों में लिया है। दुनिया की सबसे बड़ी झोपड़पट्टी के पुनर्विकास के लिए अडानी समूह ने 5059 करोड रुपए की बोली लगाई। समूह ने डीएलएफ को भी पीछे छोड़ दिया जिसने 2025 करोड़ की बोली लगाई थी। बोली पूरे 20,000 करोड़ रुपये की परियोजना के लिये थी। परियोजना को लेकर कुल समयसीमा सात साल है। यह क्षेत्र 2.5 वर्ग किलोमीटर में फैला है। परियोजना के तहत झुग्गियों में रह रहे 6.5 लाख लोगों का पुनर्वास करना है। यह परियोजनाविभिन्न जटिलताओं के कारण कई साल से अटकी पड़ी थी। सफल बोलीदाता को मध्य मुंबई में लाखों वर्ग फुट के आवासीय और वाणिज्यिक स्थान बेचकर कमाई करने का मौका मिलेगा।

धारावी में कितने लोग रहते हैं, इसका अनुमान तो शायद ही सटीक तरह से लगाना फिलहाल मुश्किल है। लेकिन इतना तो तय है कि कम से कम यहां 10 लाख के आसपास लोग तो रहते ही होंगे। धारावी को 1883 में अंग्रेजों ने बसाया था। अंग्रेजों ने इसे इसलिए बसाया था ताकि दूरदराज से आने वाले मजदूरों को किफायती ठिकाना दिया जा सके। धीरे-धीरे यहां झुग्गी झोपड़ी और बस्तियां बनने लगी और आज यह एशिया की सबसे बड़ी झुग्गी बस्ती है। कोरोना महामारी के दौरान भी

यहां की चर्चा हुई थी। कहा जाता था कि अगर इस इलाके में यह महामारी फैली तो कहीं ना कहीं उसे रोक पाना काफी मुश्किल होगा। 1999 में जब भाजपा और शिवसेना की महाराष्ट्र में सरकार थी तब इसे विकसित करने का प्लान बनाया गया था। हालांकि अब ऐसा लगने लगा है कि शायद धारावी की किस्मत बदल जाएगी। धारावी को मॉडर्न करने की योजना कहीं ना कहीं यहां रह रहे लोगों के जीवन शैली में भी बड़ा बदलाव करेगा। धारावी ऐसा इलाका है जहां एक कमरे में 10 लोग अपना गुजर-बसर करते हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जिला निर्वाचन पदाधिकारी आयुष ओके ने विभिन्न रिसीविंग-डिस्पैचिंग केंद्रों का दौरा कर तैयारियों का जायजा लिया.

शहरों और जिलों में विधानसभा चुनाव में मतदान कर मतदाता लोकतंत्र का पर्व मनाएंगे

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत जिले की 16 विधानसभा सीटों के मतदान के लिए जिले के 16 रिसीविंग-डिस्पैचिंग केंद्रों से ईवीएम मंगवाए गए। वीवीपीएटी से लैस होकर चुनाव कर्मी ड्यूटी के लिए रवाना हो गए।

जिले की 16 विधानसभाओं के 47,45,980 मतदाता 168 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला करेंगे।

पहली बार 1.50 लाख युवा मतदाता करेंगे अपने मताधिकार का प्रयोग

सूरत जिले की 16 विधानसभाओं के आम चुनाव के लिए पहली दिसंबर को मतदान होने जा रहा है, चुनाव ड्यूटी पर मौजूद पीठासीन अधिकारी, विधानसभाओं के रिसीविंग और डिस्पैचिंग केंद्रों के मतदान अधिकारी, मतदान के लिए ईवीएम. वीवीपेट स्टेशनरी सहित अन्य उपकरणों के साथ अपने ड्यूटी पोलिंग स्टेशन पर पहुंच गए हैं।

आज जिला कलेक्टर श्री आयुष ओके ने सूरत पश्चिम विधानसभा में रांदेर में पीपरदीवाला इंग्लिश मीडियम स्कूल, माजुरा विधानसभा में सेंट जेवियर्स, सूरत पूर्व में टी एंड टीवी स्कूल, लिंबायत में एमपी लिलियावाला विद्या भवन, उधना में सिटीजन कॉमर्स कॉलेज और तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने विधानसभा के निर्वाचन अधिकारियों, सहायक पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये।

सूरत जिले की 16 विधानसभाओं में 25,52,905 पुरुष मतदाता और 21,94,915 महिला मतदाता और 160 अन्य मतदाता 47,45,980 मतदाताओं के वोट के साथ 168 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करेंगे। जिले के 4637 मतदान केंद्रों पर प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला मतदाता करेंगे।

मतदान के दिन सुबह प्रत्येक मतदान केंद्र पर सुबह 7-00 बजे मॉक पोलिंग कराई जाएगी। फिर मतदान सुबह 8-00 बजे से शुरू होकर शाम 5-00 बजे तक चलेगा। प्रत्येक मतदान केंद्र पर पुलिस द्वारा सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।

जिलाधिकारी ने बताया कि जिला स्तर पर 794 ईवीएम मशीनों की ट्रैकिंग एवं मॉनिटरिंग की जा रही है. जिले में पहली बार डेढ़ लाख युवा मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। मतदाताओं को अधिक से अधिक मतदान करने के इरादे से, चुनाव प्रणाली ने 16 विधानसभाओं में एक मॉडल, एक विकलांग मतदान केंद्र, एक पर्यावरण के अनुकूल मतदान केंद्र, 112 महिलाओं द्वारा संचालित सखी मतदान केंद्र स्थापित किए हैं। शहरी क्षेत्र की माजुरा विधानसभा में युवाओं द्वारा संचालित मतदान केंद्र तथा जनजातीय क्षेत्रों में मांडवी व बारडोली विधानसभा में एक-एक आदिवासी मतदान केंद्र बनाया गया है. जिसमें मतदान केंद्रों को वारली पेंटिंग, बांस से सजाया गया है।

सूरत जिले में 284 विकलांग और 80 वर्ष से अधिक आयु के मतदाताओं ने व्हीलचेयर के लिए और 189 मतदाताओं ने सहायकों के लिए अनुरोध किया है, जबकि एक मतदाता ने वाहन के लिए अनुरोध किया है। इस प्रकार कुल 474 मतदाताओं की मांग के अनुसार उन्हें जिला निर्वाचन प्रणाली द्वारा मतदान सहायक एवं व्हील चेयर की सुविधा उपलब्ध करायी जायेगी.

वराछा विधानसभा सीट पर आचार संहिता के बाद भी चुनावी सामग्री का वीडियो वायरल

वराछा में खड़ी कार से भाजपा की चुनाव सामग्री और शराब की बोतल मिलने पर अल्पेश कथीरिया ने की शिकायत

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

पूरे गुजरात की सुर्खियां बटोरने वाली वराछा सीट लगातार किसी न किसी मुद्दे को लेकर चर्चा में बनी हुई है. अब आचार संहिता के बावजूद वराछा विधानसभा सीट के चोकसी बाजार में भाजपा के लोगों ने आचार संहिता तोड़कर तीन-चार लोगों के साथ भाजपा के पर्चे और डायरियां बेचीं, शराब की बोतलों से भरा एक डिब्बा और किताबें पकड़ी गईं। इसको लेकर वराछा में राजनीति गरमा गई है। इसको लेकर अल्पेश कथीरिया ने घटना स्थल पर पहुंचकर पूरे मामले का खुलासा करते हुए शिकायत दर्ज कराई है.

चुनाव सामग्री जब्त कल के मतदान के लिए मतगणना का समय शेष है, प्रशासन द्वारा आचार संहिता का सख्ती से पालन किया जा रहा है लेकिन यह देखा गया है कि राजनीतिक दलों द्वारा अभी भी चोरी-छिपे प्रचार किया जा रहा है। सूरत की बहुचर्चित वराछा विधानसभा सीट को लेकर एक कार में भारतीय जनता पार्टी की चुनावी सामग्री सामने आ गई है. कार में भारी मात्रा में भाजपा के पर्चे मिले।

वायरल वीडियो से शुरू हुई चर्चा वायरल

हुए वीडियो में चोकसी मार्केट की मल्टी लेवल पार्किंग में कारों को क्रॉस किया गया था. जहां कार में मिले सामान के बारे में पता चलने के बाद आपकी टीम सक्रिय हो गई है. वराछा सीट के प्रत्याशी अल्पेश कथीरिया अपनी टीम के साथ पहुंचे. वायरल वीडियो में अल्पेश कथीरिया की मौजूदगी भी साफ नजर आ रही है. अल्पेश कथीरिया खुद कह रहे हैं कि बीजेपी के पर्चे और शराब की बोतलें भी हैं.

रुपये देकर पर्चे बांटने का आरोप

वीडियो में अल्पेश कथीरिया कह रहे हैं कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा आचार संहिता लागू होने के बाद भी चौकीदारों की मदद से मिनी बाजार और चोकसी मार्केट के आसपास के क्षेत्रों में चुनाव सामग्री बांटने के लिए रुपये का भुगतान किया गया है. सामने आया है कि शराब की बोतलें भी बेची जा रही हैं। जिस तरह से मल्टीलेवल पार्किंग में रखे वाहन में चुनाव सामग्री मिली है, उससे साफ है कि आचार संहिता का उल्लंघन हो रहा है. चोकसी बाजार के व्यापारियों का बहुत-बहुत धन्यवाद, जिन्होंने खुद मुझे इस मामले की जानकारी दी.

वराछा : कौन लड़ेगा पाटीदारों की लड़ाई ?

पाटीदार आरक्षण आंदोलन का आंध्रप्रदेश केंद्र माने जाने वाली इस सीट पर करीब डेढ़ लाख से ज्यादा पाटीदार मतदाता हैं। यहां आप ने गब्बर के नाम से मशहूर पीएएएस के संयोजक अल्पेश कथीरिया को मैदान में उतारा है, जबकि बीजेपी ने कुमार कनानी को दोहराया है. जबकि कांग्रेस ने प्रफुल्ल तोगड़िया को टिकट दिया जहाँ क्क गुजरात में उठी। इसके अलावा पाटीदार रिजर्व मूवमेंट कमेटी (पीएएस) के संयोजक अल्पेश कथीरिया और रितिया मालवीय को टिकट दिया है, साथ ही आप के गुजरात प्रदेश अध्यक्ष गोपाल इटालिया और महामंत्री मनोज सोरठिया को टिकट दिया है, कोई जानना चाहता है कि आप सूरत में कितनी सीटें लेगी.

आप-पास गठबंधन ने सूरत में पाटीदार आरक्षण आंदोलन समिति (पास) के मुख्य चेहरे अल्पेश कथीरिया और धार्मिक मालवीय के आप में शामिल होने से परिदृश्य को और बदल दिया है। इसके बाद सूरत शहर में पाटीदारों का एक युवा चेहरा सामने आया है और पाटीदार युवा आप की ओर बढ़ते नजर आ रहे हैं. पीएएएस टीम के आप में शामिल होने के बाद वराछा सहित पाटीदार बहुल सीटों पर भाजपा की पकड़ ढीली होती जा रही है। मुन। आप को निगम चुनाव में मिली 27 सीटों के पीछे क्क की अहम भूमिका रही है. निगम चुनावों में कांग्रेस का सफाया हो गया था और आप २७ सीटों के साथ मजबूती से विपक्ष में थी। नरेंद्र मोदी को भी यह बात जरूर जाननी चाहिए जो आप को २७ सीटें मिलने का मुख्य कारण है।

आवारा मवेशी, जगह-जगह दबाव, अवैध निर्माण की समस्या, शासकीय महाविद्यालय की मांग है। पिछले चुनाव में पाटीदार आंदोलन के प्रभाव के बावजूद तत्कालीन कांग्रेस प्रत्याशी धीरू गजेरा के खिलाफ कुमार कनानी 13 हजार से ज्यादा वोटों से जीते थे, लेकिन इस बार अल्पेश कथीरिया अपनी जीत का दावा कर रहे हैं और उनकी विधानसभा को भी जनता का भरपूर समर्थन मिल रहा है. , बीजेपी ने सीट जीत ली है.. ध्यान देना शुरू कर दिया है.

पूरे प्रदेश की निगाहें सिर्फ गुजरात पर ही नहीं, बल्कि देश के लोगों की भी यह जानने की उत्सुकता है कि इस चुनाव में आम आदमी पार्टी को गुजरात से असल में कितनी सीटें मिलेंगी. इस बात की भी कई चर्चाएँ हैं कि सूरत शहर में क्क कैसा प्रदर्शन करेगी, आदि। वराछा रोड विधानसभा की बैठक में मतदाताओं ने विभिन्न समस्याएं रखीं। मुख्य रूप से सड़कों पर आवारा पशुओं की समस्या है। आवारा मवेशी अक्सर बड़ी दुर्घटना का कारण बनते हैं। इसके अलावा दबाव व अवैध निर्माण की समस्या भी एक बड़ा मुद्दा है। इसके साथ ही रिहायशी इलाकों में लंबे समय से पनप रही अवैध व्यवसायिक गतिविधियां भी लोगों के विरोध का कारण बनी हैं साथ ही वराछा रोड पर सरकारी कॉलेज की मांग को आज तक हल नहीं किया गया है. जौहरियों के विभिन्न बैकलॉग की समस्या भी एक मुद्दा है।

नए परिसीमन के बाद साल 2008 से इस विधानसभा पर बीजेपी का कब्जा

था.साल 2008 में नए परिसीमन के बाद वराछा रोड सीट अस्तित्व में आई. पिछली सीट पर 1975 से 1995 तक कांग्रेस का कब्जा था। जिसमें 1995 में इस सीट पर बीजेपी ने जीत हासिल की थी, उसके बाद 1998 के चुनाव में फिर से कांग्रेस ने इस सीट पर जीत हासिल की.इस सीट पर 2007 तक कांग्रेस का कब्जा रहा. नए परिसीमन के बाद साल 2012 में हुए चुनाव में बीजेपी ने कांग्रेस को मात दी थी. इस तरह पिछले दो कार्यकाल से बीजेपी ने इस सीट पर अपना दबदबा कायम रखा है.

इस बार 6 तरह के बूथों पर वोटिंग की जा सकती है

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

राज्य की 182 में से 89 सीटों पर एक दिसंबर को पहले चरण का मतदान होगा। इसमें सूरत शहर और जिले की कुल 16 सीटों के साथ-साथ दक्षिण गुजरात की सीटें भी शामिल हैं। इस बार विधानसभा चुनाव में मतदाता 6 अलग-अलग तरह के पोलिंग बूथ पर वोट डाल सकेंगे.

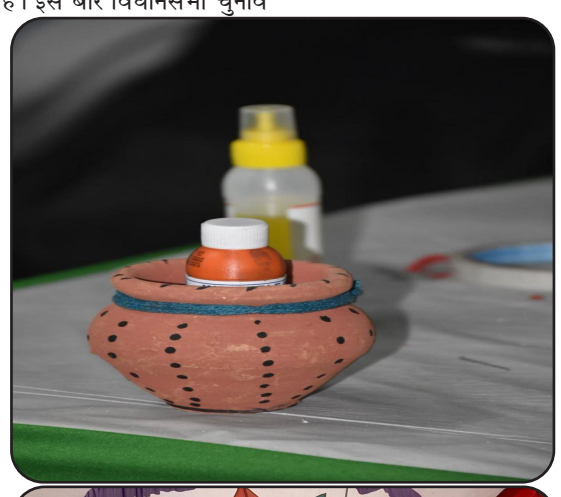

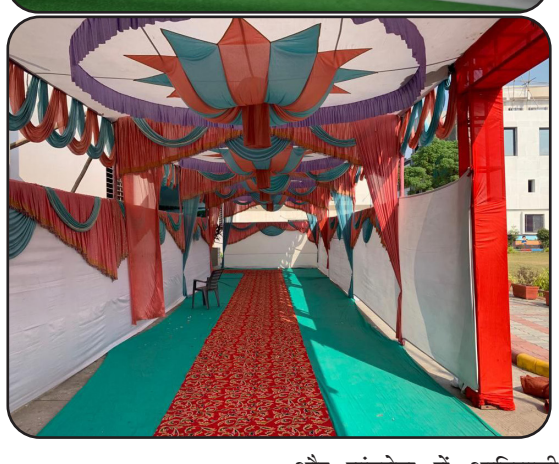

जिसमें पर्यावरण के प्रति जागरूकता का संदेश देने वाले इको फ्रेंडली बूथ भी बनाए गए हैं। चुनाव विभाग के अनुसार, विकलांग लोगों के लिए दिव्यांग मतदान केंद्र, पर्यावरण के मुद्दों पर जागरूकता पैदा करने के लिए पर्यावरण के अनुकूल मतदान केंद्र, मॉडल मतदान केंद्र, महिलाओं, युवाओं द्वारा संचालित सखी मतदान केंद्र और आदिवासी मतदान केंद्र भी बनाए गए हैं। यूथ संचालित यूथ पोलिंग बूथ संचालित होंगे। जबकि आदिवासी बहुल क्षेत्रों मांडवी और मांगरोल में आदिवासी मतदान केंद्र बनाए गए हैं.

मांगरोल-मांडवी में 16 दिव्यांग मतदान केंद्र, 16 पर्यावरण अनुकूल मतदान केंद्र, 16 मॉडल मतदान केंद्र, 112 सखी मतदान केंद्र, 1 युवा मतदान केंद्र और 2 आदिवासी मतदान केंद्र सहित आदिवासी बूथ होंगे।